हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-328, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, गुरुवार 14 मई 2026

प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के नए कुलाधिपति...02

बागेश्वर धाम शिष्य मंडल लखनऊ श्री गुरु सेवा समिति...06

सोना 9,345 और चांदी 22,853 महंगी

टाटा मोटर्स सीवी का मुनाफा 33 प्रतिशत बढ़ा

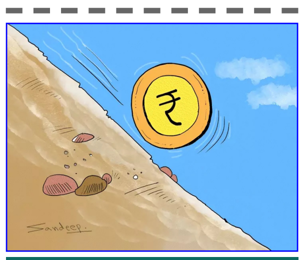

डॉलर के मुकाबले रुपया ऑल टाइम लो पर आया

राजस्थान के बाड़मेर में तापमान 48 डिग्री सेलसियस पार

यूपी के संभल में दिन में अंधेरा छाया

बिहार-महाराष्ट्र में आंधी-बिजली से 11 मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में दो तरह का मौसम देखने को मिल रहा है। राजस्थान में मंगलवार को चार जिलों में 45 डिग्री सेलसियस से ज्यादा तापमान रहा। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 48.3 डिग्री सेलसियस तापमान दर्ज किया गया। फलोदी, चित्तौड़गढ़ और बीकानेर में पारा 45 से 46 डिग्री सेलसियस के बीच रहा। उत्तर प्रदेश के संभल में बुधवार को दिन में अंधेरा छा गया। तेज हवा के साथ धूलभरी आंधी चली। मेरठ में तेज बारिश हुई। आज राज्य के 38 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश के रतलाम में तापमान 46.5 डिग्री सेलसियस पर पहुंच गया। निवाड़ी के बीजौर में तेज आंधी और बारिश के साथ ओले गिरे। हरियाणा के पिनगवा में भी ओले गिरे। पंचकूला, यमुनानगर, करनाल और गुरुग्राम में तेज बारिश हुई। बिहार के जमुई और बांका में बिजली गिरने से एक बच्चा समेत 5 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के

सांगली में तेज आंधी के कारण एक मंदिर की दीवार गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं, केरल के मलप्पुरम में बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, इस हफ्ते के आखिर तक दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह तक पहुंच सकता है। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी इलाके में सक्रिय है। इसके साथ जुड़ा चक्रवाती घेरा समुद्र तल से करीब 4.5 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है। विभाग ने कहा कि अगले 48 घंटों में यह सिस्टम और मजबूत हो सकता है। आमतौर पर मानसून 20 मई के आसपास अंडमान-निकोबार पहुंचता है। मानसून 1 जून को केरल में दस्तक देता है। इसके साथ ही देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन की शुरुआत मानी जाती है, जो सितंबर तक चलता है। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां दिन का तापमान 48.3 डिग्री सेलसियस रहा। ये सीजन का अब तक का सबसे अधिक टेम्प्रेचर है। मौसम विभाग ने बुधवार को 3 जिलों में गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया है। दिन के समय लोगों को घर से नहीं निकलने की भी एडवाइजरी जारी की गई है। प्रदेश के इंदौर और उज्जैन संभाग के 15 में से 11 जिलों में अगले 4 दिन तक लू की चपेट रहेंगे। भोपाल और नर्मदापुरम में भी हीट वेव चलेगी। मंगलवार को निवाड़ी जिले के बीजौर में बारिश के साथ ओले भी गिरे। वहीं, रतलाम में 46.5 डिग्री सेलसियस पारा दर्ज किया गया। प्रदेश के संभल में बुधवार को सुबह 10 बजे दिन में अंधेरा छा गया। धूलभरी आंधी चली। तेज हवा के साथ बारिश भी हुई। मेरठ में भी तेज बारिश हुई। आज 38 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट है। पूर्वी यूपी में ओले भी गिर सकते हैं। मंगलवार को बांदा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 43.6 डिग्री सेलसियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आज पूरे प्रदेश में बारिश की संभावना जताई है।

आम आदमी की जेब पर असर

अमूल ने देशभर में दूध के दाम 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए

नई दिल्ली, एजेंसी। डेयरी और एफएमसीजी क्षेत्र से उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। देश की प्रमुख डेयरी को-ऑपरेटिव अमूल ने अपनी दूध की कीमतों में इजाफा करने का फैसला किया है, जिसका सीधा असर आम आदमी के मासिक बजट पर पड़ेगा। अमूल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पूरे भारत में दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। यह एक राष्ट्रीय स्तर की मूल्य वृद्धि है, जो देश के सभी बाजारों में समान रूप से लागू की जा रही है। उपभोक्ताओं के लिए यह जानना जरूरी है कि 2 रुपये प्रति लीटर की यह बढ़ोतरी 14 मई से प्रभावी हो गई है। इसका अर्थ है कि 14 मई से खुदरा बाजारों और स्टोर्स पर अमूल दूध की खरीद के लिए ग्राहकों को अब नई दरों के अनुसार भुगतान करना होगा। अमूल की ओर से 14 मई से देशभर में 2 रुपये प्रति लीटर की इस वृद्धि का सीधा असर करोड़ों उपभोक्ताओं की रोजमर्रा की जरूरतों और घरेलू बजट पर पड़ेगा।

पेट्रोलियम मंत्री बोले, भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल

45 दिन का एलपीजी स्टॉक है, पीएम की बातों का मनगढ़ंत मतलब न निकालें

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल, 60 दिन की एलएनजी और 45 दिन की एलपीजी का स्टॉक है। सप्लाई के मामले में कोई दिक्कत नहीं है। हरदीप पुरी ने दिल्ली में आयोजित सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में पीएम की बचत की अपील का भी जिक्र किया। पुरी ने कहा कि पीएम ने दो दिन पहले जो बातें कही हैं। उसको लेकर अफरा-तफरी मचाना बेकार है। पीएम की बातों को ध्यान से सुनें। उसका मनगढ़ंत मतलब न निकालें। दरअसल पीएम मोदी लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का उपयोग कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें। विदेशी यात्राओं से बचें। हरदीप पुरी ने समिट में कहा कि सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा सप्लाई में आई रुकावटों को बोझ आम जनता पर पड़ने नहीं दिया है। तेल कंपनियों को हर दिन 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है, तो घाटा 1,98,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने वाला है। अगर आप तिमाही के आंकड़ों को देखें तो कुल नुकसान 1 लाख करोड़ रुपए का है। ऐसे में, आप इसे कब तक इसी तरह बनाए रख सकते हैं? तेल की कीमतें कहां पहुंच गई हैं? पहले यह लगभग .64 या .65 के आसपास हुआ करती थीं। अब यह बढ़कर .115 प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई हैं। हरदीप पुरी ने कहा- दुनिया की कुल ऊर्जा का 20त्न हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर आता था। हमारे कच्चे तेल के आयात का 85 प्रतिशत हिस्सा वहीं से आता था।

खरीफ की 14 फसलों पर बढ़ाई एमएसपी

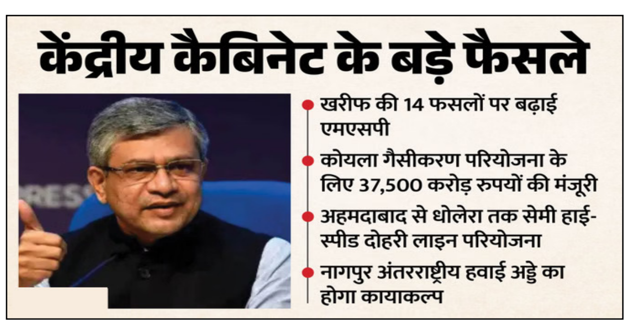

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट बैठक में बुधवार को आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। सरकार ने वर्ष 2026-27 के विपणन सत्र के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि सूरजमुखी के बीज (622 प्रति क्विंटल) के लिए, उसके बाद कपास (557 प्रति क्विंटल), नाइजरसीड (515 प्रति क्विंटल) और तिल (500 प्रति क्विंटल) के लिए अनुशंसित की गई है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 37,500 करोड़ रुपये से कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने की एक योजना को भी मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मोदी कैबिनेट के फैसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, कोयला गैसीकरण का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। गैस की आवश्यकता और भू-राजनीतिक स्थिति के अनुसार आत्मनिर्भर कैसे बनें उन्होंने कहा, भारत में कोयले का प्रचुर भंडार है। अगले 200 वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत के पास पर्याप्त कोयला है। तो क्या हम उस कोयले का उपयोग करके गैस का उत्पादन कर सकते हैं इस दिशा में अच्छा प्रयास किया जा रहा था और आज एक निर्णय लिया गया है - कोयला गैसीकरण योजना। कोयले से गैस का उत्पादन और फिर उस गैस से उर्वरक, कोयले से गैस का उत्पादन और फिर उस गैस से बिजली, कोयले से गैस का उत्पादन और फिर उस गैस से विभिन्न प्रकार के रसायन। यह एक बड़ा निर्णय है। वैष्णव ने बताया कि रेल मंत्रालय की लगभग 20,667 करोड़ रुपये की लागत वाली अहमदाबाद (सरखेज) - धोलेरा अर्ध-उच्च गति दोहरी लाइन परियोजना को भी मंजूरी दी गई है। भारत की पहली सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना के रूप में, यह परियोजना एक अग्रणी परियोजना के रूप में काम करेगी और देश भर में सेमी हाई-स्पीड रेल के चरणबद्ध विस्तार के लिए एक संदर्भ मॉडल के रूप में कार्य करेगी।

आरबीआई गवर्नर ने चेताया, स्थिति न सुधरी तो पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी तय

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर चल रहे भू-राजनीतिक तनावों का असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। ज्यूरिख में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और स्विस नेशनल बैंक की ओर से आयोजित 12वें उच्च-स्तरीय सम्मेलन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक अहम बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जो भारी उछाल आया है, उसका बोझ अब तक सरकार उठा रही है। लेकिन, अगर यह वैश्विक व्यवधान लंबे समय तक खिंचता है, तो आम उपभोक्ताओं को ईंधन की बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के बावजूद, भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को स्थिर रखा है। इसके लिए सरकार ने अपनी तरफ से ड्यूटी कम करने और गैस जैसी कुछ नियंत्रित कीमतों में मामूली वृद्धि करने जैसे कदम उठाए हैं। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, पिछले 75 दिनों से अधिक समय से जारी इस संकट के कारण मौजूदा स्थिति को अनिश्चित काल तक बनाए रखना संभव नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह केवल समय की बात है कि सरकार इन बढ़ी हुई कीमतों का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डाल देगी।

अखिलेश यादव के भाई प्रतीक का निधन

लखनऊ के अस्पताल में ली अंतिम सांस

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव (38) का लखनऊ में निधन हो गया है। प्रतीक यादव समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव और उनकी दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के छोटे बेटे थे। वे अखिलेश यादव के सौतेले भाई थे। प्रतीक यादव को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते लखनऊ के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। वे बीजेपी लीडर अपर्णा यादव के पति थे। बताया जा रहा है कि बीते कुछ समय से उनकी तबीयत खराब थी और उनका इलाज चल रहा था। आज सुबह बुधवार को उन्हें अस्पताल लाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रतीक यादव के निधन की खबर सुनते ही यादव परिवार और समाजवादी पार्टी के समर्थकों में शोक

पार्थिव शरीर को पुष्पांजलि अर्पित करते सीएम योगी

की लहर दौड़ गई है। प्रतीक यावद की मौत किस बीमारी से हुई अभी इसका खुलासा नहीं हो पाया है। कुछ समय पहले वे मेदांता में भर्ती किए गए थे। हालात में सुधार होने पर उन्हें वापस घर लाया गया था। वे पिछले कुछ दिनों से पूरी तरह स्वस्थ नहीं दिखाई दे रहे थे। बता दें कि प्रतीक यादव अपने परिवार की राजनीतिक बैकग्राउंड से दूर रियल एस्टेट और फिटनेस एंटरप्रेन्योरशिप के सेक्टर में काम करते थे। उन्होंने यूनाइटेड किंगडम के लंदन स्थित यूनिवर्सिटी से स्न्न्न किया था। प्रतीक यादव को फिटनेस का काफी शौक था। लखनऊ में उनके जिम का बिजनेस भी है। उन्हें जिम करने और फिट रहने का बहुत ज्यादा शौक था। प्रतीक यादव ने अब तक कोई भी चुनाव नहीं लड़ा और न ही पार्टी में कोई बड़ा पद संभाला था। वे आम तौर पर सक्रिय राजनीति से दूर ही रहे। साल 2017 में दिए गए एक इंटरव्यू में यादव ने कहा था कि वह जब तक संभव होगा।

7 में से 6 निकायों पर भाजपा का कब्जा एक में निर्दलीय ने मारी बाजी

अम्बाला, पंचकूला और सोनीपत में फिर भाजपा मेयर

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के सात नगर निकायों के बहुप्रतीक्षित चुनाव परिणाम घोषित हो गए हैं। इन चुनावों में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना मजबूत जनाधार एक बार फिर साबित किया है। राज्य के मतदाताओं ने विकास की नीतियों पर भरोसा जताते हुए सात में से छह निकायों के शीर्ष पदों (मेयर और चेयरमैन) की चाबी भाजपा को सौंप दी है। वहीं, एक निकाय (उकलाना) में अध्यक्ष पद पर निर्दलीय प्रत्याशी ने शानदार जीत दर्ज कर अपना दबदबा कायम किया है। प्रदेश के तीन सबसे बड़े और महत्वपूर्ण नगर निगमोंकृअम्बाला, पंचकूला और सोनीपतकृमें कांग्रेस को करारी शिकस्त देते हुए भाजपा के मेयरों ने एकतरफा जीत हासिल की है। ट्राई सिटी के पंचकूला में भाजपा के श्याम लाल बंसल ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। उन्होंने शुरुआत से जो बढ़त बनाई, वह अंत तक कायम रही। बंसल ने कांग्रेस की मेयर प्रत्याशी सुधा भारद्वाज को 36,252 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। इस चुनाव में श्याम लाल बंसल को कुल 68,544 वोट प्राप्त हुए, जबकि सुधा भारद्वाज को 32,292 वोटों से ही संतोष करना पड़ा। अम्बाला नगर निगम यहां भी भाजपा की लहर देखने को मिली। भाजपा प्रत्याशी अक्षिता सैनी ने मेयर पद पर शानदार जीत हासिल की। उन्होंने कांग्रेस की कुलविंदर कौर सैनी को 21,358 मतों से पराजित किया।

विजय सरकार ने 144 मतों के साथ जीता विश्वास मत

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने बुधवार को 234 सदस्यीय विधानसभा में सहयोगी दलों और अखिल भारतीय अन्न द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के बागी विधायकों के समर्थन के साथ आसानी से विश्वास मत जीतकर बहुमत साबित कर दिया। श्री विजय को यह सफलता तब मिली जब 59 सदस्यीय मुख्य विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने सदन से बर्हिगमन किया, जबकि अन्नाद्रमुक की सहयोगी चार सदस्यीय पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। श्री विजय द्वारा अपनी सरकार में विश्वास व्यक्त करने का प्रस्ताव पेश करने और विभिन्न दलों के नेताओं के बोलने के बाद प्रस्ताव पर मतदान कराया गया। हालांकि दो विकल्प थे लेकिन अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर ने ध्वनि मत के बजाय सरकार का समर्थन करने वालों की गिनती करने का विकल्प चुना। सदन के 232 सदस्यों में से 171 सदस्य मौजूद रहे। श्री विजय ने एक सीट से इस्तीफा दिया था और मद्रास उच्च न्यायालय ने एक टीवीके विधायक को विश्वास मत में भाग लेने से रोक दिया था। सदन में श्री विजय ने अन्नाद्रमुक के बागी विधायकों सहित 144 सदस्यों के समर्थन के साथ आसानी से शक्ति परीक्षण जीत लिया, जबकि इसके विरोध में 22 सदस्यों ने मतदान किया और पांच तटस्थ रहे। प्रस्ताव का समर्थन करने वाले 144 विधायकों में टीवीके के 104 विधायक (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अदालत द्वारा रोके गए एक विधायक को छोड़कर), पांच समर्थक दलों के 13 सदस्य, अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) का एक और शेष अन्नाद्रमुक के बागी विधायक शामिल थे। श्री विजय के नेतृत्व वाली चार दिन पुरानी सरकार के लिए यह पहली और शानदार जीत है, जिनकी पार्टी 108 विधायकों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थी लेकिन बहुमत से पीछे थी। राज्यपाल आर. वी. अर्लेकर द्वारा सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद उन्होंने निर्देशानुसार आवश्यक संख्या जुटाकर अपनी शक्ति साबित की।

नीट पेपर लीक पर केजरीवाल का जेन जेड को संदेश, दोषियों को सजा दिलाने की अपील

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को जेन जेड से अपील की कि वे नीट परीक्षापत्र लीक के कथित दोषियों को न्याय के कटघरे में लाना सुनियचित करें। केजरीवाल ने साथ ही कहा कि अगर बांग्लादेश और नेपाल के युवा राजनीतिक बदलाव ला सकते हैं, तो भारतीय छात्र भी जवाबदेही तय करने के लिए दबाव डाल सकते हैं। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा पत्र बार-बार लीक होने की घटनाओं ने उम्मीदवारों का आत्मविश्वास हिला कर रख दिया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा अतीत में की गई जांचों के परिणामस्वरूप दोषियों को कड़ी सजा मिली है? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, अगर बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों में जेन जेड सरकारें बदल सकती है।

एअर इंडिया का बड़ा फैसलाः अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती, कई विदेशी मार्ग निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंधों और जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण एअर इंडिया ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। एयरलाइन अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती करेगी। साथ ही, कुछ विदेशी मार्गों पर सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित की जाएंगी। यह कदम जून से अगस्त के महीनों के लिए उठाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपने नेटवर्क की स्थिरता में सुधार लाना है। एअर इंडिया ने बताया कि यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय सेवाओं के लिए किया जा रहा है। हवाई क्षेत्र संबंधी चुनौतियों के कारण उड़ानें संचालित करना मुश्किल हो रहा है। इसके साथ ही, जेट ईंधन की ऊंची कीमतें भी परिचालन लागत बढ़ा रही हैं। दिल्ली-शिकागो, मुंबई-न्यूयॉर्क, दिल्ली-शंघाई और चेन्नई-सिंगापुर जैसे प्रमुख मार्गों पर सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। इनके अलावा, दो अन्य विदेशी मार्गों पर भी उड़ानों का निलंबन होगा। यह फैसला यात्रियों और यात्रा योजनाओं पर सीधा असर डालेगा। एअर इंडिया ने अपने इस फैसले के पीछे दो मुख्य कारण बताए हैं। पहला कारण हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंध हैं, जो कुछ क्षेत्रों में उड़ानों के संचालन को बाधित कर रहे हैं। दूसरा महत्वपूर्ण कारण जेट ईंधन की लगातार बढ़ती कीमतें हैं। इन ऊंची कीमतों के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो गया है। एयरलाइन का लक्ष्य इन चुनौतियों के बीच अपनी परिचालन दक्षता बनाए रखना है।

ट्रम्प 8 साल बाद चीन दौरे पर पहुंचे, बेटा और बहू भी साथ

ईरान जंग पर कहा था, चीन की मदद की जरूरत नहीं

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बुधवार को 8 साल बाद चीन दौरे पर पहुंचे। उनका विमान बीजिंग कैपिटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड किया, जहां चीनी उपराष्ट्रपति हान जेंग ने उन्हें रिसीव किया। हान झेंग को शी जिनपिंग का भरोसेमंद माना जाता है और वे पिछले साल ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुए थे। ट्रम्प के एयर फोर्स वन से उतरते समय करीब 300 बच्चे नीले और सफेद रंग की यूनिफॉर्म में एयरपोर्ट पर मौजूद थे। ये अमेरिका और चीन के झंडे लहरा रहे थे। ट्रम्प के साथ उनके बेटे एरिक ट्रम्प और बहू लारा ट्रम्प भी मौजूद थे। इस दौरान बच्चों ने मंदारिन भाषा में 'वेलकम' के नारे लगाए। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ट्रम्प के बीच गुरुवार और शुक्रवार को अलग-अलग दौर की बातचीत होगी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, ताइवान, रेयर अर्थ मिनरल्स, एआई और ईरान युद्ध जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। ट्रम्प 15 मई तक बीजिंग में रहेंगे। यह 2017 के बाद उनका पहला चीन दौरा है। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए उन्हें चीन की मदद की जरूरत नहीं है। ट्रम्प ने यह बयान वॉशिंगटन से बीजिंग रवाना होते समय दिया था।

सबरीमाला मामले में सुप्रीम कोर्ट

हिंदू होने के लिए मंदिर जाना जरूरी नहीं, घर में दिया जलाना काफी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सबरीमाला मामले पर सुनवाई के दौरान हिंदू धर्म को लेकर कुछ अहम टिप्पणियां की हैं। 9 जजों की संवैधानिक पीठ ने कहा है कि हिंदू धर्म असल में एक वे ऑफलाइफ यानी श्जीवन जीने का एक तरीकाश् है और आस्था साबित करने के लिए मंदिर जाने की कोई जरूरत नहीं है। इस दौरान मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत ने जस्टिस बीवी नागरत्ना की बातों पर सहमति जताते हुए यह भी कहा कि अपनी आस्था साबित करने के लिए घर के अंदर दिया जलाना भी काफी है। बता दें कि सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली यह बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश और महिलाओं की धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। बुधवार को इस मामले पर 15वें दिन सुनवाई हुई।

पोखरण परीक्षण की वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री बोले, इस अभियान ने भारत के अटल संकल्प को प्रदर्शित किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 1998 के परमाणु पोखरण परीक्षण को याद करते हुए कहा कि इस अभियान ने भारत के अटल संकल्प को प्रदर्शित किया और दुनिया को साबित कर दिया कि कोई भी बाहरी दबाव देश को झुकने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। श्री मोदी ने बुधवार को परमाणु परीक्षणों की वर्षगांठ के अवसर पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 1998 में आज ही के दिन भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को दिखाया कि हमारे राष्ट्र का संकल्प कितना अटल है। 11 मई को हुए परीक्षणों के बाद पूरी दुनिया भारत पर दबाव बना रही थी लेकिन

हमने दिखा दिया कि कोई भी शक्ति भारत को झुका नहीं सकती। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी देश द्वारा द्वितीय-पोखरण परीक्षण की एक और वर्षगांठ मनाने के अवसर पर आई है, जिसे ऑपरेशन शक्ति के रूप में भी जाना जाता है। यह भारत के रणनीतिक और रक्षा इतिहास का एक ऐतिहासिक क्षण था जिसने राष्ट्र को एक घोषित परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्थापित किया। इन परीक्षणों के अंतर्गत 11 और 13 मई 1998 को राजस्थान के पोखरण परीक्षण क्षेत्र में पांच परमाणु हथियारों की भूमिगत परीक्षण की गयी थी।

प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के नए कुलाधिपति सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता; नए कुलपति प्रोफेसर राघवेंद्र पी. तिवारी नियुक्त।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। गुवाहाटी महानगर स्थित चंद्रपुर स्थित प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक अपने तीन शैक्षणिक वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलाधिपति और कुलपति का तीन वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने के उपरांत, भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता को विश्वविद्यालय का नया कुलाधिपति नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति तथा देश के अग्रणी शिक्षाविद् प्रोफेसर राघवेंद्र पी. तिवारी को अगले कार्यकाल के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है। आज प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के 'समुत्कर्ष भवन' में विश्वविद्यालय प्रशासन तथा इसके संस्थापक संगठन शंकरदेव शिक्षा एवं अनुसंधान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में नव-नियुक्त कुलाधिपति और कुलपति के स्वागतार्थ एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। 'एसईआरएफ' की सचिव प्रोफेसर सुदेष्णा भट्टाचार्य द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में नव-नियुक्त पदाधिकारियों के साथ-साथ निवर्तमान कुलाधिपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी और निवर्तमान कुलपति प्रोफेसर स्मृति कुमार सिन्हा को औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण में प्रोफेसर स्मृति कुमार सिन्हा ने विश्वविद्यालय के प्रथम तीन शैक्षणिक वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। नव-नियुक्त कुलपति प्रोफेसर राघवेंद्र पी. तिवारी ने अपने संबोधन में उत्तर-पूर्व भारत के साथ अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक संबंधों को स्मरण किया।

उन्होंने भारतीय मूल्यों से समृद्ध उच्च शिक्षा का वातावरण निर्मित करने हेतु सभी के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। नए कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने शिक्षा के विभिन्न आयामों के साथ-साथ 'समावेशी शिक्षा' के महत्व पर प्रकाश डाला। निवर्तमान कुलाधिपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी ने भी अपने तीन वर्षीय कार्यकाल के अनुभव साझा किए। शंकरदेव शिक्षा एवं अनुसंधान संस्था के अध्यक्ष गंगा प्रसाद प्रसैन ने समारोह का समापन संबोधन दिया तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर योगेश काकती ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा एक सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी गई। इस समारोह में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय संगठन मंत्री के. एन. रघुनंदन, अजय दत्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर असम क्षेत्र के प्रचारक वशिष्ठ बुजरबरुआ, असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दीपज्योति राजखोवा, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री पवन तिवारी एवं सचिव जगदींद्र राय चौधुरी सहित अनेक विशिष्ट अतिथि, विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

6 लाख के बिजली तार चोरी,दनकौर क्षेत्र के 6 गांवों की आपूर्ति बाधित

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में मंडी श्याम नगर उपकेंद्र से जुड़ी कासना टाउन फीडर की 11 केवी लाइन से मंगलवार रात करीब 500 मीटर बिजली के तार चोरी हो गए। इस घटना के कारण आसपास के छह गांवों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है।बिजली विभाग ने बुधवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, चोरी हुए तारों की कीमत लगभग 6 लाख रुपये है। केबल चोरी होने से प्रभावित गांवों में बुधवार सुबह बिजली न मिलने पर ग्रामीणों को समस्या का पता चला। इसके बाद बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। अचानक बिजली आपूर्ति ठप होने से ग्रामीणों को पेयजल संकट सहित कई अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चोरों ने सुनियोजित तरीके से लाइन की केबल काटी और फरार हो गए। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि चोरी देर रात की गई, जब इलाके में आवाजाही कम थी। विभागीय कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त लाइन का निरीक्षण कर वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास शुरू कर दिया है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। वहीं, ग्रामीणों ने इलाके में बिजली उपकरणों की सुरक्षा बढ़ाने और रात में गश्त तेज करने की मांग की है।

सपा का ब्राह्मण प्रेम सिर्फ चुनावी ढोंग, सत्ता में किया अपमान- रघु मिश्रा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा ने समाजवादी पार्टी पर ब्राह्मण विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान और पार्टी प्रवक्ताओं की भाषा में बड़ा अंतर है। मिश्रा ने कहा कि 34 वर्षों में सपा ने कभी किसी ब्राह्मण को प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनाया, जिससे पार्टी का असली चरित्र सामने आता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज पर की गई अमर्यादित टिप्पणी के बावजूद अखिलेश यादव ने कोई कार्रवाई नहीं की। मिश्रा ने कहा कि भाजपा और एनडीए सरकारों ने ब्राह्मण समाज को सम्मान और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी हैं, जबकि सपा केवल चुनाव के समय ब्राह्मण प्रेम दिखाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी संतों की धार्मिक यात्राओं का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है। मिश्रा ने कहा कि सनातनी समाज सपा के दोहरे चरित्र को समझ चुका है और आगामी चुनाव में इसका जवाब देगा।

प्रतीक यादव के निधन पर पूर्व मंत्री अब्बास अली जैदी रुश्दी ने व्यक्त की शोक संवेदना

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। समाजवादी पार्टी के मुखिया व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव के असामयिक निधन की खबर आते ही रुदौली विधान सभा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। क्षेत्र के समाजवादी नेताओं,कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। पूर्व मंत्री अब्बास अली जैदी रुश्दी मियां ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह समाचार अत्यंत दु:खद व पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय नेता जी के परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि इस दु:ख की घड़ी में पूरा समाजवादी परिवार सपा मुखिया अखिलेश यादव एवं उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहा है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से समाजसेवी दानिश हुसैन,सपा नेता शाह मसूद हयात,ब्लॉक अध्यक्ष विंध्या सिंह,नाजिश खां,सुरजीत चौहान,तलहा ठाकुर,आनंद शुक्ला, जगजीवन नेता,सुमित शुक्ला,अलाउद्दीन खां,अबू मोहम्मद,पूर्व प्रधान प्रतिनिधि वासिफ खां,श्रेया पटेल,राम अचल यादव,माता बख्श सिंह एवं पूर्व प्रधान इदरीश खां सहित समाजवादी पार्टी के समर्थकों व कार्यकर्ताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की।

किरतपुर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पर सख्ती, ड्यूटी से गायब मिले सफाई कर्मचारी पर कार्रवाई की तैयारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता किरतपुर

किरतपुर। ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था को लेकर प्रशासन अब सख्त नजर आ रहा है। ग्राम पंचायत चांडक तुर्क में निरीक्षण के दौरान सफाई कर्मचारी के अनुपस्थित मिलने पर सहायक विकास अधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्टीकरण तलब किया है और संतोषजनक जवाब न मिलने पर वेतन रोकने की चेतावनी दी है। जानकारी के अनुसार जिला पंचायत राज अधिकारी के पत्र संख्या 137 दिनांक 29 अप्रैल 2026 के निर्देशों के क्रम में सहायक विकास अधिकारी बाबूराम द्वारा सोमवार सुबह ग्राम पंचायत चांडक तुर्क का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत में तैनात सफाई कर्मचारी शक्ति सिंह ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। मौके पर गांव की सफाई व्यवस्था भी प्रभावित मिली, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली। सहायक विकास अधिकारी द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि संबंधित सफाई कर्मचारी द्वारा शासकीय सेवा एवं अपने पदेन दायित्वों के प्रति गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित पाए जाने के चलते मई 2026 का वेतन बाधित किए जाने की चेतावनी दी गई है। साथ ही कर्मचारी को निर्देश दिए गए हैं कि वह दो दिवस के भीतर स्वयं उपस्थित होकर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करे। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समय सीमा में जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया अथवा स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया तो संबंधित कर्मचारी का वेतन रोकने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वहीं जब इस पूरे मामले में सहायक विकास अधिकारी बाबूराम से फोन पर संपर्क कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव करना उचित नहीं समझा। क्षेत्र में इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का माहौल बना हुआ है और लोग अब गांवों में बेहतर सफाई व्यवस्था की उम्मीद जता रहे हैं।

कांग्रेसी नेता दयानंद शुक्ला की पहल पर घायल मजदूर को कंपनी से मिली आर्थिक सहायता

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। जनपद अयोध्या के रुदौली विधान सभा क्षेत्र के मवई ब्लॉक अंतर्गत नौगवा गांव निवासी अरविंद रावत जो,दिल्ली की एक निजी कंपनी में कार्यरत थे,कार्य के दौरान गंभीर हादसे का शिकार हो गए थे। दुर्घटना में उनके एक हाथ की सभी उंगलियां कट गई थीं। हादसे के बाद कंपनी मालिक द्वारा उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया तथा किसी प्रकार की आर्थिक सहायता व मुआवजा देने से इनकार कर दिया गया। पीड़ित अरविंद रावत ने लगभग दो माह पूर्व अपनी समस्या वरिष्ठ कांग्रेस नेता दयानंद शुक्ला को बताई। मामले को गंभीरता से लेते हुए श्री शुक्ला ने कंपनी प्रबंधन पर लगातार दबाव बनाया तथा पूर्व मंत्री नरेश चौधरी के माध्यम से दिल्ली में कंपनी मालिक से वार्ता कर पीड़ित को न्याय दिलाने का प्रयास किया। आज कंपनी की ओर से अरविंद रावत को इलाज के लिए ?2.22 लाख तथा मुआवजे के रूप में ?2.10 लाख का चेक प्रदान किया गया। आर्थिक सहायता मिलने के बाद अरविंद रावत एवं उनके परिवार ने दयानंद शुक्ला के प्रति आभार व्यक्त किया। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र एवं रावत समाज में खुशी का माहौल है। लोगों ने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि और समाजसेवी गंभीरता से प्रयास करें तो गरीब,मजदूर और असहाय लोगों को भी न्याय मिल सकता है। श्री शुक्ला की हो रही भूरि भूरि प्रशंसा।

रात्रि में महिला पर टिप्पणी करने वाले दो युवक गिरफ्तार, बाइक सीज।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। थाना कैण्ट पुलिस ने रात्रि में ऑटो से जा रही महिला पर टिप्पणी करने के मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त दोपहिया वाहन को भी सीज कर दिया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों में आलोक मिश्रा पुत्र शशिकुमार मिश्रा निवासी लेन नंबर-2, शायर माता मंदिर, रमदत्तपुर थाना लालपुर-पाण्डेयपुर वाराणसी तथा आशुतोष सिंह पुत्र अजीत सिंह निवासी महामालपुर, कच्छवां जनपद मिर्जापुर शामिल हैं। दोनों की उम्र करीब 21 से 22 वर्ष बताई गई है। पुलिस के अनुसार दिनांक 07 मई 2026 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर एक महिला द्वारा वीडियो साझा किया गया था, जिसमें कुछ बाइक सवार युवक भोर के समय ऑटो का पीछा करते हुए महिला पर अभद्र टिप्पणी करते दिखाई दे रहे थे। सूचना मिलने के बाद थाना कैण्ट पुलिस ने महिला से संपर्क कर घटना स्थल की जानकारी ली और सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। लगातार जांच के बाद पुलिस टीम ने 12 मई 2026 को रात 9:30 बजे गोलघर चौराहा कचहरी क्षेत्र से दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त बाइक को भी सीज कर दिया गया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत मिश्र, उपनिरीक्षक अभिषेक सिंह, कांस्टेबल प्रमोद कुमार, अमित कुमार तथा महिला आरक्षी कमल भारती शामिल रहे।

तहसील बीकेटी में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ अधिवक्ताओं में रोष

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बख्शी का तालाब तहसील में कथित भ्रष्टाचार और अधिकारियों के व्यवहार को लेकर अधिवक्ताओं में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। बीकेटी बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने तहसील प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए न्यायिक कार्य के बहिष्कार की घोषणा की है। बीकेटी बार एसोसिएशन लखनऊ के अध्यक्ष आशीष कुमार सिंह एवं महामंत्री जितेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि तहसील में भ्रष्टाचार व्यापक रूप से फैला हुआ है। आरोप है कि तहसील में तैनात लेखपाल पंकज शुक्ला द्वारा क्षेत्र में मनमाने तरीके से धन उगाही की जा रही है। इस संबंध में 6 मई को जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा गया था। बताया गया कि बुधवार 13 मई 2026 को उप जिलाधिकारी बख्शी का तालाब साहिल कुमार (प्रशिक्षु आईएएस) की कथित भाषा शैली एवं कार्यशैली के विरोध में बार एसोसिएशन की आम सभा आयोजित की गई। सभा में पूर्व अध्यक्ष अनिल कुमार यादव, राजेंद्र कुमार सिंह यादव, रंजय सिंह चौहान, माता प्रसाद, पूर्व महामंत्री महेश रावत, लाल बहादुर यादव, बलबीर सिंह, संजय सिंह बरेली, उपाध्यक्ष राम सागर रावत, विनय प्रताप सिंह, हिमांशु द्विवेदी, सोहनलाल वर्मा, सत्यम सिंह चौहान, परेश रावत समेत कई अधिवक्ताओं ने अपने विचार रखे। सभा की अध्यक्षता कर रहे अध्यक्ष आशीष कुमार सिंह ने निर्णय घोषित करते हुए कहा कि उप जिलाधिकारी की कथित अभद्र भाषा शैली एवं व्यवहार से क्षुब्ध होकर अधिवक्ता 13 मई से 16 मई तक उनके न्यायालय के न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि इस अवधि में उनका स्थानांतरण नहीं किया गया तो 16 मई को पुनः बैठक कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। महामंत्री जितेंद्र बहादुर सिंह ने आरोप लगाया कि उप जिलाधिकारी द्वारा न तो वादों में समय से आदेश पारित किए जा रहे हैं और न ही अधिवक्ताओं के साथ व्यवहार उचित है। उन्होंने यह भी कहा कि लेखपाल पंकज शुक्ला से जुड़े मामले में वार्ता के दौरान भी अधिकारियों द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया, जिसके बाद अधिवक्ताओं को आंदोलन का निर्णय लेना पड़ा। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि इससे पूर्व भी कई अधिवक्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार की शिकायत जिलाधिकारी लखनऊ को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इस पूरे मामले को लेकर अधिवक्ताओं में भारी रोष व्याप्त है।

48 घंटे में सुलझाई वाहन चोरी की गुत्थी, शातिर चोर गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। दुबग्गा पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए वाहन चोरी की दो वारदातों का मात्र 48 घंटों के भीतर खुलासा किया है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर मछली मंडी रोड के पास से शब्बू आलम नामक अभियुक्त को गिरफ्तार किया, जो मूल रूप से हरदोई का निवासी है। अभियुक्त के पास से शोएब मिर्ज़ा और मोहम्मद सरताज की चोरी हुई दो एक्टिवा स्कूटी (यूपी 32 के.डी. 8994 और यूपी 32 के.डी. 9759) बरामद की गई हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

अपराजिता गुप्ता की वार्ता का प्रसारण 14 मई को आकाशवाणी नजीबाबाद से किया जाएगा।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता बिजनौर

बिजनौर। उत्तर प्रदेश सरकार के अंतर्गत कार्यरत सहायक अध्यापिका अपराजिता गुप्ता की विशेष वार्ता ऊर्जा संरक्षण में महिलाओं की भूमिका का प्रसारण 14 मई को दोपहर 1:15 बजे आकाशवाणी नजीबाबाद केंद्र से प्रसारित होगा। इस वार्ता में अपराजिता गुप्ता ऊर्जा संरक्षण तथा दैनिक जीवन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगी। वे बताएंगी कि किस प्रकार महिलाएँ घर-परिवार में बिजली, पानी और ईंधन की बचत कर समाज को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक बना सकती हैं। साथ ही रसोई में ऊर्जा की बचत, अनावश्यक विद्युत उपकरणों का सीमित उपयोग, सौर ऊर्जा को बढ़ावा तथा आने वाली पीढ़ियों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक करने जैसे विषयों पर भी प्रकाश डालेंगी। कार्यक्रम के प्रसारण को लेकर शिक्षा विभाग एवं क्षेत्र के शिक्षकों में उत्साह का वातावरण है। इस अवसर पर बिजनौर के बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना तथा सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ.प्रभात कुमार ने अपराजिता गुप्ता को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार अपने ज्ञानवर्धक विचारों से समाज को जागरूक करती रहेंगी। उन्होंने इसे जनपद बिजनौर के लिए गौरव का विषय बताते हुए अपराजिता गुप्ता के उवल भविष्य की कामना की।

जबरन समायोजन के खिलाफ शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

बाराबंकी। समायोजन-3 के अंतर्गत कनिष्ठ शिक्षकों के समायोजन के निर्णय के विरोध में शिक्षकों ने सोमवार को जिलाधिकारी बाराबंकी को ज्ञापन सौंपकर अपना विरोध दर्ज कराया। बड़ी संख्या में एकत्रित शिक्षकों ने कहा कि प्रस्तावित समायोजन से कनिष्ठ शिक्षकों के अधिकार एवं सेवा हित प्रभावित होंगे क्योंकि हर बार कनिष्ठ शिक्षकों का ही समायोजन विभाग द्वारा किया जा रहा है। शिक्षकों ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि समायोजन प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाए तथा कनिष्ठ शिक्षकों के हितों को सुरक्षित रखते हुए निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए वरिष्ठ शिक्षकों के समायोजन का विकल्प सुझाया। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि रिट याचिका संख्या ड्ड्ड्ड्ड-5232/2024 में 6 नवंबर 2024 तथा रिट याचिका संख्या स्स/25238/2018 में 11 दिसंबर 2018 को पारित आदेशों के अनुसार कनिष्ठ अध्यापकों का समायोजन न किए जाने के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि शासनादेश संख्या 2251/68-5-2026 दिनांक 4 मई 2026 के तहत परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक और अध्यापिकाओं के समायोजन के निर्देश जारी किए गए हैं। ऐसे में मांग की गई है कि समायोजन की पूरी प्रक्रिया न्यायालय के आदेशों के अनुरूप पूरी कराई जाए और कनिष्ठ अध्यापकों को इस प्रक्रिया से अलग रखा जाए। इस अवसर पर रोहित सिंह, अभिषेक सिंह, अंकुर सिंह,अमृता सिंह चौहान , कनीज फातिमा सिद्दीकी, विभा सिंह, दिव्या रानी, शैलेन्द्र कुमार यादव, अनुज कुमार,कृष्ण प्रताप सिंह, लिली श्रीवास्तव, निर्मला, निधि प्रकाश सक्सेना समेत लगभग 150- 200 की संख्या में अध्यापक उपस्थित रहे। सभी ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाई एवं दिया। जिस पर डीएम सर द्वारा तदर्थ समिति के सामने हम सभी की बात रखने का भी आश्वासन दिया गया ।

हंसराज विश्वकर्मा को राज्य मंत्री बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की

खुशी मनाई एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता मोहित

नजीबाबाद। भारतीय जनता पार्टी वाराणसी के जिला अध्यक्ष, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा को मंत्रिमंडल विस्तार में राज्य मंत्री बनाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी अरविंद विश्वकर्मा के प्रतिष्ठान कोतवाली रोड नजीबाबाद पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर अरविंद विश्वकर्मा ने कहा कि विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा समाज के लिए एवं कार्यकर्ताओं के लिए सदैव समर्पित रहते हैं। वह हर समय जनहित के कार्यों में लगे रहते हैं। उन्होंने कई मामलों में जनपद बिजनौर में आवश्यकता पड़ने पर कार्यकर्ताओं की मदद की है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्दी उनका जनपद बिजनौर में आगमन होगा और स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा सुधीर कुमार भुईयार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी उनके एवं मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री बने सभी नेताओं से सहयोग से और मजबूत होगी। चौधरी ईशम सिंह ने कहा कि आगामी 2027 के होने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री बनाए गए हंसराज विश्वकर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, डॉ. सुमन सोमेंद्र तोमर के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनने से बहुत लाभ होगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री बलराज त्यागी मंडल अध्यक्ष वरुण आत्रेय ने कार्यकर्ताओं को मिष्ठान खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर जिला महामंत्री बलराज त्यागी, आशीष सिंघल, वरुण आत्रेय, अरविन्द विश्वकर्मा, रितेश सैन, चौ. योगेंद्र सिंह, चौधरी ईशम सिंह, कोमल विश्वकर्मा, अरविंद धीमान, ऋतिक विश्वकर्मा, तनिष्क कुमार, पूर्व नगर अध्यक्ष आशु अग्रवाल, कोमल कुमार हल्दिया, सभासद दीपक वाल्मीकि, शोभित चौधरी आदि उपस्थित रहे।

डैलिम्स सनबीम स्कूल रोहनियाँ का शानदार प्रदर्शन, सीबीएसई 12वीं में रहा शत-प्रतिशत परिणाम।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। सेंट्रल बोर्ड का सेकेंडरी एजुकेशन द्वारा घोषित कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम 2026 में डैलिम्स सनबीम स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। सत्र 2025-26 में विद्यालय से कुल 339 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे और सभी विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा। छात्र-छात्राओं ने अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लेकर खुशी व्यक्त की। संस्था के अध्यक्ष डॉ प्रदीप बाबा मधोक ने मेधावी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि परीक्षा जीवन का अंतिम सत्य नहीं होती, बल्कि निरंतर सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना ही वास्तविक सफलता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष परिणाम प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से संचालित की गई, जिसके कारण तकनीकी विलंब और समन्वय संबंधी चुनौतियां स्वाभाविक थीं। संस्था की निदेशिका Pooja Madhok ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के धैर्य, अनुशासन और भविष्य के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने सफलता का श्रेय छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। संस्था के एडिशनल डायरेक्टर Bahir Madhok ने छात्रों के उवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की इस उपलब्धि में शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका भी सराहनीय रही है। डीन ऑफ एकेडमिक Subhodeep Dey ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनके संघर्ष, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रमाण है। वहीं प्रधानाचार्या Gurmeet Kaur ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्था की सभी शाखाओं — रामकटोरा, सिगरा एवं रोहनियाँ — के प्रधानाचार्य, उपप्रधानाचार्य, हेड मिस्ट्रेस एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

एस.आर. ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों ने कक्षा 12वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। 13 मई 2026 सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में इस वर्ष भी एस.आर. ग्लोबल स्कूल, लखनऊ के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों की सफलता ने विद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को एक बार फिर साबित किया है। विद्यालय की छात्रा कुमारी प्रिया यादव ने 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं कुमारी कासनी मिश्रा ने 95.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा शौर्य चौहान ने 95 प्रतिशत, कावेरी अवस्थी ने 94 प्रतिशत तथा श्रेष्ठ वर्मा ने 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस वर्ष कुल 53 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि अधिकांश छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की।

लगातार उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के चलते विद्यालय क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। टॉपर छात्राओं प्रिया यादव और कासनी मिश्रा ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के चेयरमैन श्री पवन सिंह चौहान, शिक्षकों एवं अभिभावकों को दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में मिला सकारात्मक वातावरण, नियमित मार्गदर्शन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उनकी सफलता का मुख्य आधार रहा। विद्यालय के चेयरमैन श्री पवन सिंह चौहान ने सभी सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकगण को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण का यह परिणाम है। उन्होंने सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली की सराहना करते हुए इसे पारदर्शी एवं निष्पक्ष व्यवस्था बताया। वहीं विद्यालय के वाइस चेयरमैन श्री पीयूष सिंह चौहान ने भी विद्यार्थियों के अनुशासन, परिश्रम और लगन की प्रशंसा करते हुए उनके उवल भविष्य की कामना की।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता साइकिल से निकले आफिस

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। वैश्वीक परिस्थितियों के चलते देश में ऊर्जा संकट, पेट्रोलियम पदार्थों की बचत, विदेशी मुद्रा के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता बुधवार को डायमंड टावर, उदयगंज स्थित अपने निवास स्थान से 7 किलो मीटर साइकिल चला कर अपने लेखराज मेट्रो स्टेशन ,अयोध्या रोड स्थित उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय पहुचे। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा वर्तमान में वैश्विक परिस्थितियों के कारण देश के समक्ष अनेक प्रकार की चुनौतियां आई हैं इसमें पेट्रोलियम पदार्थों, कुकिंग गैस एवं ऊर्जा का संकट भी एक बड़ा संकट है ऐसे में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अपील के महत्वपूर्ण मायने हैं आज की बचत कल की सुरक्षा निश्चित रूप से हमेशा सिद्ध होती है। उन्होंने बताया प्रधानमंत्री की अपील एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवाहन पर उन्होंने निर्णय लिया है कि परिस्थितियों के सामान्य होने तक सप्ताह में एक दिन साइकिल चला कर अपने निवास से लेखराज मेट्रो स्टेशन ,अयोध्या रोड स्थित आदर्श व्यापार मंडल के अपने कार्यालय जाएंगे एवं कम से कम 3 दिन मेट्रो ट्रेन से अपने कार्यालय जाने का निर्णय लिया है तथा केवल दिन में अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में जाने हेतु चार पहिया वाहन का प्रयोग करने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा निश्चित रूप से यह समय देश की पेट्रोलियम पदार्थों की ऊर्जा शक्ति एवं विदेशी मुद्रा को बचाने का है तथा एक दूसरे को इस हेतु जागरूक एवं प्रेरित करने का है तथा भविष्य में किसी प्रकार के संकट से निपटने एवं देश को मजबूत करने तथा प्रधान मंत्री के निर्णय के साथ रहने का है। उन्होंने सभी व्यापारियों एवं नागरिकों से भी हर सम्भव रूप से पेट्रोल, डीजल ,बिजली एवं अन्य संसाधनों की अधिक से अधिक बचत करने की अपील की तथा साथ ही साथ विदेशी मुद्रा को बचाने हेतु जो भी संभव उपाय हो वह करने की अपील की।

भंडारा, सुंदरकांड और हवन कार्यक्रमों में उमड़ा जनसैलाब, डॉ राजेश्वर सिंह ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश

❑ सनातन सेवा और धर्म संरक्षण के संकल्प के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजनों में शामिल हुए डॉ राजेश्वर सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बड़े मंगल के पावन अवसर पर सरोजनीनगर विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित 12 से अधिक भंडारा, सुंदरकांड, हवन, प्रसाद वितरण एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता कर सनातन संस्कृति, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। दिनभर चले इन कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं का भारी जनसमूह उमड़ा और हर स्थान पर बजरंगबली के जयघोष गूंजते रहे। अलीगंज स्थित रविंद्र गार्डन में आयोजित बड़ा मंगल भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में डॉ राजेश्वर सिंह ने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया तथा भक्तों का अभिवादन स्वीकार किया। वहीं राजपूताना, शहीद पथ के निकट आयोजित प्रसाद वितरण एवं भंडारा कार्यक्रम में बड़े भाई रामेश्वर सिंह के साथ सम्मिलित होकर सेवा कार्यों में सहभागिता की। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद जगदंबिका पाल, योगेन्द्र अवाना, प्रभुनाथ राय, आईएएस संजीव रंजन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। गहरू पिपरसंड रोड स्थित संकट मोचन हनुमान संग्रहालय में आयोजित 16वें विशाल भंडारा कार्यक्रम में डॉ राजेश्वर सिंह ने मंदिर की छत निर्माण हेतु ?50,000 की सहयोग राशि प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मंदिर केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सेवा और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। श्री झाड़ेश्वर मंदिर परिसर में आयोजित भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में डॉ राजेश्वर सिंह ने मंदिर परिसर में स्थापित वाटर कूलर का उद्घाटन किया तथा गुरुकुल में वेद अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। इसके अतिरिक्त डॉ राजेश्वर सिंह ने रत्नाकर खंड, साउथ सिटी में आयोजित विशाल भंडारा एवं सुंदरकांड कार्यक्रम, आशियाना सेक्टर रु/ह पुलिया स्थित भंडारा, तेलीबाग के रथिंद नगर स्नेह खंड जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित विशाल भंडारा तथा वृंदावन पैलेस में आयोजित सुंदरकांड पाठ एवं महाप्रसाद सेवा कार्यक्रम में सहभागिता की। खांडे देव, बंथरा में आयोजित श्री बजरंगबली जी की प्राण प्रतिष्ठा एवं भंडारा कार्यक्रम में शामिल होकर उन्होंने पूजा-अर्चना की तथा श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। वहीं मिर्जापुर औरंगाबाद खालसा, सेक्टर-ह में आयोजित हवन एवं विशाल भंडारा तथा चौक स्थित श्री कोनेश्वर महादेव मंदिर में स्वर्गीय आशुतोष टंडन 'गोपाल जी' की स्मृति में आयोजित विशाल भंडारे में भी उन्होंने सहभागिता कर श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान डॉ राजेश्वर सिंह ने कहा कि बड़ा मंगल केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, दान और सामाजिक समरसता का महापर्व है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा हमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सहयोग पहुंचाने की प्रेरणा देती है तथा यही भारत की सांस्कृतिक शक्ति का आधार है। सरोजनीनगर में डॉ राजेश्वर सिंह का आस्था और सम्मान अभियान बना सनातन संरक्षण का प्रतीक सरोजनी नगर विधानसभा में डॉ राजेश्वर सिंह द्वारा 27 सितम्बर 2022 से निरंतर रामोत्सव श्रवण अयोध्या यात्रा संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से अब तक 57 यात्राओं में 150 बसों द्वारा 8000 से अधिक श्रद्धालुओं को श्रीराम लला, हनुमानगढ़ी एवं अन्य प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जा चुके हैं। यात्रा के दौरान दर्शनार्थियों के लिए जलपान, भोजन, सुरक्षित यात्रा एवं रामचरितमानस वितरण की व्यवस्था भी की जाती है। डॉ राजेश्वर सिंह द्वारा अब तक 220 से अधिक मंदिरों में सीएसआर के माध्यम से हैंडपंप, सोलर लाइट एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार हेतु ?30 लाख से अधिक की धनराशि निजी संसाधनों से प्रदान की जा चुकी है। झाड़ेश्वर मंदिर के विकास हेतु ?5 करोड़ 32 लाख, रितेश्वर मंदिर हेतु लगभग ?1.05 करोड़ तथा परवर पश्चिम स्थित जल साईनाथ मंदिर हेतु ?1 करोड़ की धनराशि से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। वहीं नीलेश्वर मंदिर एवं बनी क्षेत्र के मंदिरों के सौंदर्यीकरण पर भी करोड़ों रुपये व्यय किए गए हैं। प्राचीन झाऊश्वर मंदिर, हरौनी में कार्य तथा महाशिवरात्रि के अवसर पर 1 किलो चांदी का मुकुट भी अर्पित किया गया।

वृद्ध महिला ने थाना प्रभारी को संबोधित प्रार्थना पत्र मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराकर न्याय की गुहार लगाई

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता मोहित

नजीबाबाद। 70 वर्षीय वृद्ध आमना निवासी फजलपुर तबेला थाना नजीबाबाद बिजनौर ने अपने प्रार्थना पत्र में कहा कि उसके गांव का जाहिद, वाजिद, वाहिद, अनस का परिवार उसके परिवार से जाति रंजिश रखता है, जो आए दिन उसके परिवार व उसके लड़कों पर हमला करते रहते हैं, जिनके खिलाफ पीड़ित महिला ने माननीय न्यायालय सी जे एम बिजनौर में वाद संख्या 10206/2025 दायर किया हुआ है, जो न्यायालय में विचाराधीन है, जिस पर फैसला करने के लिए जाहिद जो एक तांत्रिक है, आए दिन दबाव बनाता रहता है। पीड़ित महिला को अपने बच्चों की जान का खतरा है, इसलिए वह फैसला नहीं करती है। महिला ने आरोप लगाया है कि 12 मई 2026 को शाम 6-00 बजे वाजिद, जाहिद, अनस, गुलशाना, जुबेदा हाथों में लाठी-डंडे लिए एक राय होकर उसके घर में आ घुसे और गंदी-गंदी मां बहन की गालियां देते हुए पीड़िता पर जानलेवा हमला बोल दिया एवं लाठी-डंडों से बुरी तरह मारपीट की। पीड़िता अपने पुत्र के साथ थाना नजीबाबाद गई और घटना के लिखित में सूचना दी और अपना मेडिकल कराने के लिए कहा। आरोपी थाने पहुंच गए और उन्होंने अपनी सेटिंग कर ली। थाने में पीड़िता की रिपोर्ट लिखी गई, उसे रसीद भी नहीं दी गई और उसका मेडिकल भी नहीं कराया गया। पीड़िता बुधवार दोपहर 12-00 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय बिजनौर पहुंची, जहां से उसे थाना नजीबाबाद भेजा गया, जहां पर थाना प्रभारी ने पीड़ित महिला को समीपुर अस्पताल भेज कर मेडिकल कर लिया है और कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। मुलजिमान उपरोक्त पीड़िता व उसके परिवार को गांव से उजाड़ने, उसके लड़कों को जेल भिजवाने की धमकी देते खुलेआम घूम रहे हैं। पीड़ित महिला ने अपनी व अपने लड़कों की जान की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए आरोपियों को जेल भिजवाने की मांग की है।

उप डाकघर झूंसी में 20 से 22 मई तक लगेगा मोबाइल पासपोर्ट वैन शिविर

❑ प्रयागराज में नागरिकों को स्थानीय स्तर पर मिलेगी पासपोर्ट सुविधा, प्रतिदिन 50 अपॉइंटमेंट उपलब्ध

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ/प्रयागराज। पासपोर्ट सेवाओं को आम नागरिकों तक सुलभ एवं स्थानीय स्तर पर पहुंचाने की दिशा में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ ने मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा का विस्तार करते हुए प्रयागराज जनपद के उप डाकघर, झूंसी में तीन दिवसीय मोबाइल पासपोर्ट वैन शिविर आयोजित करने की घोषणा की है। यह शिविर 20 मई से 22 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिससे नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी सेवाएं उनके नजदीक उपलब्ध हो सकें। इस विशेष शिविर में प्रतिदिन 50 सामान्य अपॉइंटमेंट निर्धारित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक पासपोर्ट सेवा पोर्टल पर जाकर केंद्र के रूप में वैन-1 का चयन करते हुए अपना अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। निर्धारित तिथि पर आवेदक उप डाकघर, झूंसी स्थित वैन-1 केंद्र पर अपने आवेदन जमा कर सकेंगे। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ द्वारा मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा की शुरुआत महोबा जनपद से की गई थी। इसके बाद यह सुविधा चित्रकूट, बस्ती, चंदौली, सोरांव, फूलपुर, भटपार रानी तथा रामपुर कारखाना सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक संचालित की जा चुकी है। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को पासपोर्ट सेवाओं का लाभ आसानी से मिल रहा है। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ ने बताया कि भविष्य में भी नागरिक-केंद्रित सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से ऐसे शिविरों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक पासपोर्ट सेवाएं सरलता से पहुंचाई जा सकें।

रचनात्मक कांग्रेस बनेगी विपक्षी एकजुटता की नई ताकत, विधानसभा चुनाव में निभाएगी निर्णायक भूमिका- संदीप दीक्षित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक और वैचारिक विस्तार की दिशा में बड़ा संकेत देते हुए रचनात्मक कांग्रेस विभाग को सक्रिय रूप से मैदान में उतारने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने कहा कि यह विभाग कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को सामाजिक स्तर पर मजबूत करने के साथ-साथ चुनाव में प्रभावी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि रचनात्मक कांग्रेस विभाग उन सामाजिक संगठनों, समुदायों, बुद्धिजीवियों, सिविल सोसाइटी समूहों और जनआंदोलन से जुड़े लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का कार्य करेगा, जो संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के मूल्यों में विश्वास रखते हैं। संदीप दीक्षित ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस हमेशा से विविध सामाजिक समूहों और जनसरोकारों से जुड़े आंदोलनों के साथ खड़ी रही है और अब इस जुड़ाव को संगठित रूप दिया जाएगा। संदीप दीक्षित ने कहा कि देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल में संवाद आधारित, सकारात्मक और जनहित केंद्रित राजनीति की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि सिविल सोसाइटी के सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संगठन की कार्यशैली, जनसरोकारों और रचनात्मक राजनीति को लेकर व्यापक चर्चा की गई है, जिसमें कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि रचनात्मक कांग्रेस का उद्देश्य केवल राजनीतिक विस्तार नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच विश्वास और सहभागिता का वातावरण तैयार करना है। हम आम लोगों की मंशा, उनकी समस्याओं और सामाजिक अपेक्षाओं को समझते हुए एक ऐसा मंच तैयार करना चाहते हैं, जहां संवाद और सहभागिता के माध्यम से राजनीति को जनहित से जोड़ा जा सके, उन्होंने कहा। प्रेसवार्ता में वार रूम प्रभारी संजय दीक्षित, मीडिया वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी, वरिष्ठ प्रवक्ता अंशु अवस्थी, प्रवक्ता अलीमुल्ला खान तथा प्रवक्ता प्रियंका गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

समाचार

युवक की बेरहमी से हत्या मुख्य आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। थाना बाज़ारखाला क्षेत्र में युवक की बेरहमी से हत्या किए जाने की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने मामूली विवाद के बाद लकड़ी की फंटी से युवक के चेहरे और आंख पर लगातार वार कर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार 12 मई 2026 को अग्रसेन पार्क, तिलक नगर में दो दोस्तों के बीच खाने-पीने को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने लकड़ी की फंटी से हमला कर विजय गौतम नामक युवक की निर्मम हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। भागते समय आरोपी ने हत्या में प्रयुक्त फंटी को रेलवे लाइन किनारे झाड़ियों में फेंक दिया था। घटना की सूचना मिलते ही थाना बाजारखाला पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की। जांच के दौरान आरोपी देवेन्द्र कुमार उर्फ पिन्टू हरिजन की संलिप्तता सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर उसे हैदरगंज तिराहे से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक विजय गौतम उसका दोस्त था और दोनों अक्सर साथ में शराब पीते थे। घटना वाले दिन भी दोनों ने शराब पी थी, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। आरोपी ने गुस्से में आकर लकड़ी की फंटी से कई वार कर विजय की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लकड़ी की फंटी बरामद कर ली है। मामले में थाना बाजारखाला में हत्या की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मेधावी छात्रों की माताओं का विशेष सम्मान मातृ दिवस पर हुआ भव्य आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बीएलएस इंटर कॉलेज ठाकुरगंज में मातृ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों की माताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि Neeraj Bora ने विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय गंगा प्रसाद साहू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इंटरमीडिएट में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र आलोक कुमार की माता तथा हाईस्कूल में 93 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली छात्रा युशरा नौशाद की माता को उनके वजन के बराबर फलों से तौलकर सम्मानित किया गया। साथ ही मेधावी छात्रों को मिक्सर ग्राइंडर और फ्रिज जैसे उपहार भी दिए गए। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और खेल प्रतियोगिताओं ने सभी का मन मोह लिया। डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि माताओं का सम्मान भारतीय संस्कृति की पहचान है और मां का स्थान जीवन में सर्वोपरि होता है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

प्रतीक यादव के निधन पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने जताया दुःख

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

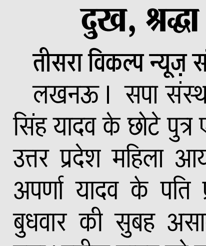

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं 'पद्म विभूषण' से सम्मानित स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के पुत्र तथा अपर्णा यादव के पति के पति प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुखद समाचार पर उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने गहरा शोक व्यक्त किया है। खन्ना ने अपने शोक संदेश में कहा कि प्रतीक यादव का असामयिक निधन अत्यंत पीड़ादायक और मर्माहत करने वाला है। उन्होंने कहा कि यह अपूरणीय क्षति केवल परिवार ही नहीं,बल्कि उनके शुभचिंतकों और समाज के लिए भी बेहद दुखद है। वित्त मंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

प्रतीक यादव के निधन पर अखिलेश यादव ने जताया दुख, श्रद्धा सुमन अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सपा संस्थापक स्व.मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र एवं भाजपा नेत्री व उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव का बुधवार की सुबह असामयिक निधन हो गया। प्रतीक यादव को तबीयत खराब होने पर सुबह सिविल अस्पताल ले जाया गया जहाँ उन्हें मृत घोषित कर दिया गया 7उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने भाई प्रतीक यादव के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रतीक यादव (38 वर्ष) का निधन 13 मई 2026 की सुबह हुआ, जिसके बाद अखिलेश यादव ने इसे बेहद दुखद बताया और परिवार के प्रति संवेदना जताई। भाई के निधन पर गहरा दुख जताते हुए अपनी प्रतिक्रिया में अखिलेश यादव ने कहा कि उन्होंने प्रतीक को बचपन से देखा है और यह परिवार के लिए गहरा सदमा है। मौत की जांच को लेकर उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में परिवार एक साथ है। कानून और परिवार के लोग जो कहेंगे, उस कानूनी रास्ते को अपनाया जाएगा। अखिलेश यादव की पत्नी सांसद श्रीमती डिम्पल यादव ने प्रतीक यादव के आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीबीएसई ने 12वीं का परीक्षा परिणाम किया जारी

➲ बेटियों का दबदबा कायम, अदिति ने 99.2 तो ऐश्वर्या ने 99 प्रतिशत अंक किए हासिल

अदिति मिश्रा 99.2

ऐश्वर्या पाण्डेय 99%

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। परिणाम आते ही राजधानी लखनऊ के कई स्कूलों में जश्न का माहौल देखने को मिला। छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर अपने परिवार, शिक्षकों और स्कूल का नाम रोशन किया है। स्कूलों मेधावी छात्र-छात्राओं को मिठाई और फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। लखनऊ में रानी लक्ष्मी बाई स्कूल की छात्रा अदिति शर्मा ने 99.02 प्रतिशत अंक हासिल कर शानदार सफलता प्राप्त की है। वहीं इसी कॉलेज की ऐश्वर्या ने 99 प्रतिशत अंक हासिल किए है। इस बार 17 फरवरी से 9 अप्रैल तक 12वीं के एग्जाम हुए थे। कॉपियां ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम के तहत चेक की गईं। डॉक्टर बनना चाहती है अदिति अदिति ने बताया कि वह आगे चलकर डॉक्टर बनना चाहती है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा दी थी, लेकिन परीक्षा रद्द होने के बाद अब वह दोबारा तैयारी कर परीक्षा में बैठेंगी। अदिति ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों, परिवार और अपनी निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी हम लगातार एक्टिव रहे। एआई टूल्स के माध्यम से हमने सवालों के बेहतर जवाब लिखना सीखा। लंबे उत्तरों को कैसे संक्षिप्त और प्रभावी तरीके से लिखा जाए, यह समझा। सिविल सर्विस की करेंगी तैयारी सीबीएसई बोर्ड की कक्षा-12 की परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली ऐश्वर्या पांडे ने बताया कि हाईस्कूल में उनके 97 प्रतिशत अंक आए थे, लेकिन इस बार उन्होंने और अधिक मेहनत की थी। शिक्षकों का सहयोग मिला और स्कूल से लगातार जुड़ी रही। यही वजह है कि अच्छे अंक हासिल हुए। मेरा सपना आईएएस अधिकारी बनने का है। मैं सिविल सर्विस की तैयारी करना चाहती हूं, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकूं।

होटल में 25वीं मैरिज एनिवर्सरी पर पार्किंग से बाइक चोरी, होटल मालिक व मैनेजर पर केस दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आलमबाग कोतवाली इलाके में संचालित एक निजी होटल में 25वीं मैरिज एनिवर्सरी कार्यक्रम दौरान होटल पार्किंग से युवक की बाइक चोरी हो गई। वहीं पीड़ित ने होटल मालिक सहित मैनेजर पर लापरवाही का आरोप लगा केस दर्ज कराया है। आलमबाग कोतवाली इलाके स्थित मवैया निवासी भूपेन्द्र नाथ गुप्ता पुत्र रामनाथ गुप्ताने बताया उसकी 25वीं मैरिज एनिवर्सरी बीते 28 अप्रैल को ब्लंट स्क्वायर मवैया स्थित निजी होटल में आयोजित थी । उसने दो दिन पूर्व होटल का बैंक्वेट बुक कराने दौरान उसने कार्यक्रम में करीब 100 मेहमान शामिल होने की बात कही तब होटल मैनेजर ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि पार्किंग में गार्ड मौजूद रहता है सभी वाहन पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। आरोप है कि 28 अप्रैल को रात करीब 11 बजे कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब वह पार्किंग पहुंचा तो होटल पार्किंग में में खडी उसकी बाइक संख्या यूपी 32 एम ए 2679 होटल पार्किंग में मौजूद नहीं थी। जिसकी खोजबीन के दौरान जब उसने होटल मैनेजर से पूछताछ की और सीसीटीवी कैमरे की फुटेज दिखाने को कहा तो होटल मैनेजर ने कैमरा दिखाने से इनकार कर दिया। जिसके चलते उसने होटल मालिक अभिमन्यु तिवारी सहित मैनेजर पर मिलीभगत से बाइक चोरी का आरोप लगा स्थानीय आलमबाग कोतवाली में पुलिस से शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर सोमवार को केस दर्ज कर जांच कार्रवाई किया जा रहा है।

सीबीएसई परीक्षा में चमका क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज का परचम, 96.2% अंक लाकर उत्कर्ष राज बने विद्यालय के गौरव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। शांति नगर स्थित क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर खुशी, उत्साह और जश्न के माहौल से गूंज उठा। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर यह साबित कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से सफलता हासिल की जा सकती है। परीक्षा परिणाम में विद्यालय का प्रदर्शन शत-प्रतिशत रहा, जिससे विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक और छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस वर्ष विद्यालय से कुल 106 छात्र-छात्राएं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए थे और सभी छात्र सफल रहे। विद्यालय के चेयरमैन इंजीनियर योगेंद्र सचान ने परीक्षा परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल विद्यार्थियों की मेहनत का ही नहीं बल्कि शिक्षकों की लगन और अभिभावकों के सहयोग का भी परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय हमेशा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देता है, जिसका सकारात्मक परिणाम हर वर्ष देखने को मिलता है। विद्यालय के मेधावी छात्र उत्कर्ष राज ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला स्थान हासिल किया। वहीं अली रजा ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। दोनों छात्रों की इस शानदार सफलता पर विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके उवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं ने भी बेहतर अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। टॉपर उत्कर्ष राज ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया। उन्होंने बताया कि नियमित पढ़ाई, समय का सही प्रबंधन और कठिन विषयों पर विशेष ध्यान देने से उन्हें यह सफलता मिली। उत्कर्ष ने कहा कि वह प्रतिदिन लगभग 10 से 12 घंटे अध्ययन करते थे और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पूरी एकाग्रता के साथ परीक्षा की तैयारी की। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करने की सलाह दी। वहीं अली रजा ने कहा कि निरंतर अभ्यास और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें यह मुकाम हासिल करने में मदद की। उन्होंने बताया कि विद्यालय में पढ़ाई का वातावरण काफी सकारात्मक है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में पूरे दिन उत्सव जैसा माहौल बना रहा। छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की। अभिभावकों ने भी विद्यालय पहुंचकर शिक्षकों और प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। शिक्षकों ने मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी है। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि पूरे वर्ष विद्यार्थियों ने पूरी लगन और मेहनत से अध्ययन किया था। नियमित टेस्ट, विशेष कक्षाएं और समय-समय पर कराई गई शैक्षणिक गतिविधियों का विद्यार्थियों को काफी लाभ मिला। यही कारण है कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम लगातार बेहतर होता जा रहा है। क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुका क्रिएटिव कॉन्वेंट कॉलेज अनुशासन, आधुनिक शिक्षण व्यवस्था और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जाना जाता है। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि आने वाले वर्षों में भी विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता रहेगा, ताकि वे भविष्य में देश और समाज का नाम रोशन कर सकें।

संपादकीय

पश्चिम एशिया युद्ध: यू.ए.ई. में संपत्तियों की खरीद-बिक्री 2027 तक स्थगित

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण संयुक्त अरब अमीरात के निर्माणाधीन संपत्ति बाजार में संपत्तियों के हस्तांतरण में देरी होने की संभावना है, जो अन्यथा तेजी से बढ़ रहा है। कई डिवैल्पर्स को अब इनपुट आपूर्ति में बाधाओं, लागत में वृद्धि और बैंकों द्वारा वित्तपोषण में सख्ती के कारण 6 से 9 महीने तक की देरी का सामना करना पड़ रहा है। दुबई में 2026 तक सौंपे जाने वाले 45,000 यूनिटों में से लगभग आधे 2027 या उससे भी बाद तक टल जाएंगे, यह जानकारी एनारॉक मिडल ईस्ट द्वारा उद्धृत आंकड़ों के अनुसार है। उद्योग के अनुमानों के मुताबिक, कुल निर्माण लागत में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दुबई के निर्माणाधीन बाजार में अमीरात के कुल संपत्ति लेन-देन का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा है, जो विदेशी निवेशकों की मजबूत मांग, बढ़ते प्रवासन और आक्रामक परियोजना शुभारंभ से प्रेरित है। वर्तमान में अमीरात में लगभग 1,592 सक्रिय परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जिनमें 4,82,000 से अधिक इकाइयां शामिल हैं, जिनका कुल मूल्य 366 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक है। एनारॉक ग्रुप के ई.एम.ई.ए. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुज केजरीवाल ने कहा, ''2026 तक परियोजनाओं के पूरा होने की संभावना ऐतिहासिक रूप से बहुत अधिक है। हालांकि, वास्तविक सौंपने की प्रक्रिया अनुमानों से काफी कम रहेगी। मौजूदा बाजार की स्थिति को देखते हुए, 6 से 12 महीने की देरी का अनुमान लगाना यथार्थवादी है।''आपूर्ति में व्यवधान रू संयुक्त अरब अमीरात में निर्माण कार्य आयात पर अत्यधिक निर्भर होने के कारण, कई श्रेणियों में इनपुट लागत में 18 प्रतिशत से 28 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। प्रीमियम सिरेमिक, एल्युमीनियम फेकेड शीट, विशेष सजावटी सामग्री और कई यांत्रिक, विद्युत और प्लम्बिंग (एम.ई.पी.) घटक सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से हैं। केजरीवाल ने कहा, ''ईरान पर अमरीका-इसराईल के हमलों का दुबई की निर्माण आपूर्ति शृंखला पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। हालांकि दुबई के बंदरगाह पूरी तरह से बंद नहीं हुए हैं लेकिन अधिकांश शिपिंग सेवाएं ठप्प हो गई हैं और जहाजों को लंबे चक्कर लगाकर दूसरे मार्गों से भेजा जा रहा है।'' मार्च में ईरानी हमलों से खाड़ी के 2 सबसे बड़े एल्युमीनियम उत्पादक प्रभावित हुए थे। अबूधाबी में स्थित एमिरेट्स ग्लोबल एल्युमीनियम की अल तावीला सुविधा में प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन की पूरी बहाली में 12 महीने तक का समय लग सकता है, जबकि एल्युमीनियम बहरीन ने गलाने की अपनी लगभग 20 प्रतिशत क्षमता बंद कर दी है। दुबई के प्रॉपर्टी मार्कीट विशेषज्ञ आदित्य अर्नेस्ट जॉन ने कहा कि आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 58 प्रतिशत परियोजनाएं अभी भी 0.20 प्रतिशत निर्माण चरण में हैं, जिससे वे आपूर्ति शृंखला में व्यवधान, लॉजिस्टिक्स में देरी, ठेकेदारों की कमी और लागत में वृद्धि के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि कई परियोजनाओं में 6 महीने की देरी अब वास्तविक लग रही है। केजरीवाल ने भी इस बात से सहमति जताई कि जिन परियोजनाओं ने अभी तक 60 प्रतिशत निर्माण पूरा नहीं किया है, उनमें शिपिंग की अनिश्चितता, एशियाई मार्गों पर सामग्री की डिलीवरी में 7 से 15 दिनों तक की देरी और निर्माण श्रमिकों की उपलब्धता में व्यवधान के कारण 6-12 महीने की देरी होना स्वाभाविक है।

आर्थिक आपातकाल के आसार

क्या भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है? क्या आर्थिक आपातकाल के आसार हैं और भारत सरकार कुछ कड़े और बड़े फैसले ले सकती है? क्या कुछ पाबंदियां भी चस्पां की जा सकती हैं? क्या प्रधानमंत्री मोदी की अपील देश के आम आदमी के लिए ही है? नेताओं की जमात के लिए 'बचत' अपरिहार्य क्यों नहीं है? हमने प्रधानमंत्री की अपील और हिदायतों का विश्लेषण किया था। उसका दूसरा पक्ष यह है कि देश की आर्थिक सेहत का मूल्यांकन करने वाली संस्थाओं-रिजर्व बैंक, मूडीज, एसएंडपी, विश्व बैंक, फिच और एशियन डवलपमेंट बैंक-ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर घटा दी है। जाहिर है कि हमारी अर्थव्यवस्था में संकुचन आया है। वैसे भी भारत अब विश्व की चौथी नहीं, छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसमें और भी गिरावट के आसार हैं। यह मूल्यांकन आसन्न आर्थिक संकट का पहला संकेत है। खुद प्रधानमंत्री ने माना है कि कोरोना महामारी वैश्विक संकट थी, तो ईरान युद्ध इस दशक का सबसे बड़ा संकट है। प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक संकट और पेट्रो उत्पादों की कमी के कारण देश से अपील नहीं की है। वह न ही किसी तरह के 'दान' के पक्ष में हैं, जैसा कि जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री कालों के दौरान किया गया था। प्रधानमंत्री आयात कम करने के पक्षधर हैं, ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके। ईरान युद्ध की शुरुआत में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 720 अरब डॉलर का था, लेकिन युद्ध के करीब 75 दिन के बाद यह भंडार घट कर 690 अरब डॉलर हो गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री ने उन खर्चों को कम करने की अपील की है, जिनमें डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। करीब 80 फीसदी कच्चे तेल और 70 फीसदी से अधिक सोने के आयात डॉलर में ही किए जाते हैं। डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 'रुपए' में 95.28 तक की ऐतिहासिक गिरावट ने संकट को गहरा दिया है। इस समय 'रुपया' दुनिया की दूसरी सबसे कमजोर मुद्रा है, जिसमें 12 फीसदी अवमूल्यन हुआ है। प्रधानमंत्री ने एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की है, लेकिन भारत सरकार ने विदेशों से 168 टन सोना खरीदा है। अब भारत के पास सोने का कुल भंडार 880 टन का है। इसे 'राष्ट्रीय सुरक्षा' से जोड़ कर आंका जा रहा है। दरअसल हमारा बुनियादी सवाल सरकारी व्यवस्था और नेताओं की जमात से है। देश में प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और आम अति विशिष्ट चेहरे भी लंबे-चौड़े काफिलों के साथ चलते हैं। यदि वाकई संकट के हालात हैं, तो मुख्यमंत्री और मंत्री सरकारी हेलीकॉप्टर पर सवार क्यों रहते हैं? क्या हवाई उड़ानें 'पानी' से चलती हैं? हमारे जन-प्रतिनिधि रेलगाड़ी के विशेष कक्ष में सफर क्यों नहीं कर सकते? यदि सार्वजनिक परिवहन नेताओं के लिए 'असुरक्षित' हैं, तो रेलवे में असंख्य यात्रियों की सुरक्षा दांव पर क्यों लगा रखी है? हम प्रधानमंत्री को अपवाद के तौर पर छोड़ देते हैं, क्योंकि वह देशहित में, देश के लिए ही, सर्वोच्च कार्यकारी अधिकारी के तौर पर 'विशेष वाहन' का इस्तेमाल करते हैं और अब मई में ही 5 देशों की यात्रा पर जाएंगे, लेकिन हम प्रधानमंत्री के 'रोड शो' पर सवाल और आपत्ति जरूर करेंगे। हमारा राजनीतिक नेतृत्व पहल करे, बचत के नए आयाम स्थापित करे, आम जन-प्रतिनिधि बने, तो यह देश भी उसका अनुसरण करेगा। दरअसल युद्ध और होर्मुज जलमार्ग बंद होने के कारण ऊर्जा-संकट दुनिया भर में है। कच्चा तेल महंगा मिलने के कारण भारत को हररोज 1619 करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ रहे हैं। आयात बिल में खाद्य तेल पर 1.86 लाख करोड़ और खाद पर 1.38 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बाजार में यूरिया, डीएपी की कीमतें दोगुनी बढ़ा दी गई हैं। इसके अलावा, सरकार को खाद पर करीब 2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी किसानों को देनी पड़ रही है। नतीजतन बुनियादी ढांचे और विकास पर किया जाने वाला पूंजीगत खर्च कम करना पड़ रहा है। चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है। तमाम आयातों पर विदेशी मुद्रा खर्च होती है। यह 'अकाल' हम 1990-92 के दौर में झेल चुके हैं, जब देश का 67 टन सोना गिरवी रखना पड़ा था।

मोदी की अपील में नैतिक बल गायब, पाखंड भरपूर

“ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच छिड़े युद्ध के ठीक 72वें दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इल्हाम हुआ कि इस युद्ध से पैदा हुए वैश्विक संकट की चपेट में भारत भी आ रहा है। युद्ध शुरू होने के तत्काल बाद राहुल गांधी जैसे विपक्षी नेता और तमाम आर्थिक व सामरिक विशेषज्ञ जब इस संकट को लेकर भारत सरकार को आगाह कर रहे थे”

अनिल जैन

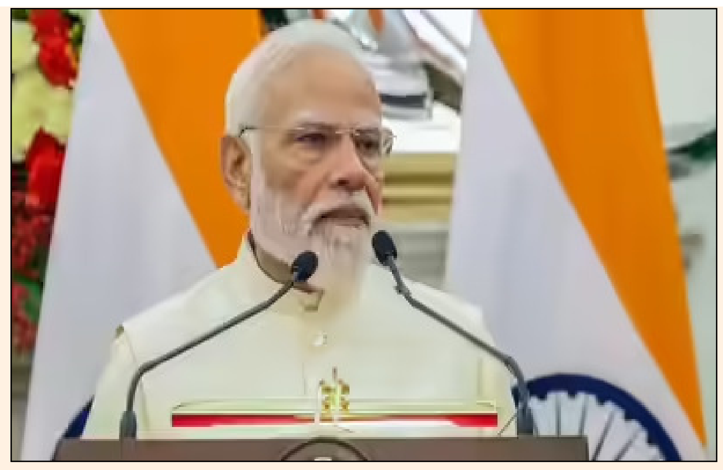

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच छिड़े युद्ध के ठीक 72वें दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इल्हाम हुआ कि इस युद्ध से पैदा हुए वैश्विक संकट की चपेट में भारत भी आ रहा है। युद्ध शुरू होने के तत्काल बाद राहुल गांधी जैसे विपक्षी नेता और तमाम आर्थिक व सामरिक विशेषज्ञ जब इस संकट को लेकर भारत सरकार को आगाह कर रहे थे तो प्रधानमंत्री सहित उनकी सरकार के तमाम मंत्री और सत्तारूढ़ पार्टी के बाद बहादुर प्रवक्ता ऐसी नसीहतों की खिल्ली उड़ा रहे थे। पांच राज्यों में धुआंधार चुनाव प्रचार करते हुए मोदी कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों पर लोगों को अनावश्यक रूप से डराने का आरोप लगा रहे थे। वे देश में किसी भी तरह के संकट को नकारते हुए देश की आर्थिक मजबूती का दावा कर रहे थे। पांच राज्यों के चुनाव प्रचार से निवृत्त होने के बाद अब मोदी ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों से निबटने के लिए सात सूत्रीय अपील देशवासियों से की है। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक सरकारी कार्यक्रम में कहा कि ऊर्जा बचाने के लिए लोगों को वर्क फ्रॉम होम यानी घर से काम करने को तरजीह देनी चाहिए, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर पेट्रोल-डीजल की खपत और रसोई ईंधन के इस्तेमाल में कटौती करनी चाहिए। उन्होंने लोगों से तेल कम खाने, शादी-विवाह समारोहों में सादगी बरतने और खेतों में रासायनिक खाद का उपयोग कम करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा बचाने के लिए लोगों को कम से कम सोना तो एक साल बिल्कुल भी नहीं खरीदना चाहिए। श्लोकल फॉर वोकलश् का अपना घिसा-पिटा जुमला दोहराते हुए उन्होंने स्वदेशी उत्पादों का ज्यादा इस्तेमाल करने ओर विदेश यात्राओं से बचने पर भी जोर दिया। ये सारी बातें प्रधानमंत्री ने अगले दिन अपने गृह राज्य गुजरात के वड़ोदरा में भी एक रैली को संबोधित करते हुए कही। प्रधानमंत्री की इस अपील या उनकी नसीहतों में कुछ भी ऐसा नहीं है जिससे असहमत हुआ जा सके। वैसे भी सादगी, संयम, अपरिग्रह और मितव्ययिता जैसे जीवन मूल्य सिर्फ किसी संकट के समय ही क्यों, हमेशा ही अपनाए जाने चाहिए। मगर सोचने वाली बात यह है कि ये सारे मूल्य लोगों से अपनाने की अपील कौन कर रहा है और जो कर रहा है उसकी अपील में कोई नैतिक बल है भी या नहीं? यह सवाल इसलिए उठता है क्योंकि जिन कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री ने यह अपील देश के लोगों से की, उन कार्यक्रमों में लोगों की भीड़ जुटाने के लिए हजारों निजी और सरकारी बसों का इस्तेमाल किया गया। यही नहीं, ऐसी अपील करने से पहले व बाद में मोदी ने हैदराबाद, जामनगर, सोमनाथ और वड़ोदरा में रोड शो किए, जिनमें महज दो किलोमीटर प्रति लीटर पेट्रोल-डीजल की खपत वाली वाली लाखों-करोड़ों रुपये की कीमत वाली दर्जनों गाड़ियां शामिल रहीं। दिलचस्प बात यह भी है कि लोगों को विदेश यात्राओं से बचने की नसीहत देने वाले मोदी खुद शुक्रवार (15 मई) को पांच देशों की यात्रा पर जाने वाले हैं। मोदी की बेहद खर्चीली निजी जीवन-शैली की बात न की जाए तो भी सवाल उठता है कि देश के किसी न किसी हिस्से में उनकी रोजाना करोड़ों रुपयों के खर्च से होने वाली रैलियां या रोड शो से अथवा धार्मिक पर्यटन से देश को क्या हासिल होता है? प्रधानमंत्री जिन तथाकथित विकास परियोजनाओं का शिलान्यास या उद्घाटन करने के लिए बेहद महंगी यात्राएं करते हैं, वह उद्घाटन और शिलान्यास ऑनलाइन भी तो हो सकता है। मोदी के प्रचार-प्रेम की हालत यह है कि किसी छोटी-मोटी रेल लाइन का उद्घाटन करना हो या कोई नई ट्रेन शुरू होनी हो, उसे झंडी दिखाने के लिए वे खुद जाते हैं, जबकि यह काम एक समय स्थानीय सांसद, विधायक या रेलवे के अफसर ही कर लेते थे। मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से अब तक करीब 95 देशों की यात्राएं की हैं जिन पर 5000 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हुए हैं। कोई नहीं जानता कि उन विदेश यात्राओं का हासिल क्या रहा? उन यात्राओं के दौरान मोदी को कुछ देशों के सर्वोच्च सम्मान के रूप में मेडल और उनके उद्योगपति मित्रों को कारोबारी ठेके जरूर उन देशों से मिल गए लेकिन एक साल पहले जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ और उसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के नाम से सैन्य कार्रवाई की तब भारत के पक्ष में बोलने के लिए कोई देश सामने नहीं आया। दुनिया भर को भारत का पक्ष बताने और उसका समर्थन हासिल करने के लिए सांसदों के प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भेजने पड़े। उस खर्चीली कवायद का नतीजा भी शून्य रहा। सवाल है कि प्रधानमंत्री फिजूलखर्ची रोकने और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए इतने ही फिक्रमंद हैं तो अपनी निरर्थक विदेश यात्राओं पर विराम क्यों नहीं लगाते? जिन देशों से कोई व्यापारिक अथवा सामरिक समझौते होने होते हैं, उन पर उन देशों में स्थित भारतीय राजदूत भी हस्ताक्षर कर सकते हैं। आखिर राजदूत होते किसलिए हैं? लेकिन छोटे से छोटे समझौते पर हस्ताक्षर करने भी पीएम खुद जाते हैं। हकीकत यह है कि मोदी की इन विदेश यात्राओं से न तो भारत में विदेशी निवेश आया, न बेरोजगारी कम हुई, न किसानों की हालत सुधरी, न रुपया मजबूत हुआ। अलबत्ता 80 करोड़ लोगों के लिए पांच किलो मुफ्त सरकारी अनाज पर गुजारा करने की नौबत जरूर आ गई। भारत के कृषि प्रधान देश होने की बात अब इतिहास हो गई है। दलहन-तिलहन के उत्पादन में भारत कभी अव्वल हुआ करता था, लेकिन अब उसे भी आयात करना पड़ रहा है।

तमिलनाडु- मोदीशाही की दुहरी हार!

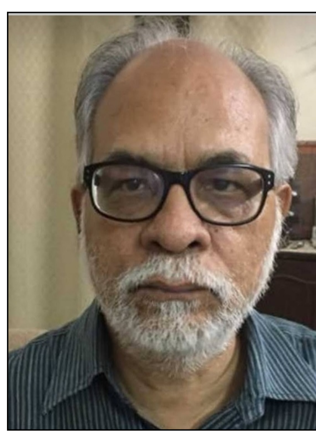

(आलेख : राजेंद्र शर्मा)

तमिलनाडु में आखिरकार, जनतंत्र को पांवों तले रोंदने की कोशिश विफल हो गयी। सिने स्टार विजय के नेतृत्व में, पहली बार चुनाव में उतरी पार्टी, टीवीके की सरकार को 10 मई को, चेन्नै में राज्यपाल, राजेंद्र आर्लेकर के शपथ दिलाने पर, जनतंत्र की परवाह करने वाले लोगों ने अवश्य ही राहत की सांस ली होगी। जैसा कि सभी जानते हैं, 4 मई को हुई मतगणना का एक नतीजा निर्विवाद था – तमिलनाडु की जनता का फैसला विजय के नेतृत्व में सरकार बनाने के पक्ष में था। हालांकि, 234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके की 108 सीटें ही आयी थीं और इस तरह वह पूर्ण बहुमत से दस सीट पीछे रह गयी थी, फिर भी जनता का फैसला साफ तौर पर उसके ही पक्ष में था। उसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी और पिछले दस साल से सरकार चला रही डीएमके की सीटें पिछले चुनाव के मुकाबले आधी से भी कम होकर, 59 पर आ गयी थीं, जबकि उसकी पिछली बार की प्रतिद्वंद्वी, एआईएडीएमके को 47 सीटों पर ही जीत हासिल हुई थी। अदल-बदल कर 59 साल से तमिलनाडु में शासन संभाल रही इन दोनों पार्टियों को मिलकर भी, टीवीके जितनी सीटें हासिल नहीं हुई थीं। बहरहाल, संघ-भाजपा की राजनीति में प्रशिक्षित और मोदी सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपाल, आर्लेकर को तमिलनाडु की जनता का यह फैसला मंजूर नहीं हुआ। चुनाव के नतीजे आने के फौरन बाद, कांग्रेस के 5 विधायकों ने जब विजय के नेतृत्व में सरकार के लिए समर्थन की घोषणा कर दी, इस तरह 113 विधायकों के समर्थन के बल पर उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का अपना दावा पेश किया था। लेकिन, राज्यपाल ने इसके बावजूद उन्हें सरकार बनाने का न्यौता दिए बिना लौटा दिया कि न सिर्फ विजय बहुमत के आंकड़े के बहुत नजदीक पहुंच चुके थे, बल्कि किसी अन्य पार्टी ने सरकार बनाने का दावा पेश ही नहीं किया था। राज्यपाल की दलील थी कि विजय, विधानसभा में पूर्ण बहुमत यानी 118 विधायकों के समर्थन का साक्ष्य, विधायकों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र के रूप में जब तक पेश नहीं करेंगे, उन्हें राजभवन से (जिसका नाम अब लोकभवन कर दिया गया है) सरकार बनाने का आमंत्रण नहीं मिलेगा। राज्यपाल आर्लेकर के इस तरह की शर्त लगाने की वैधता पर छिड़ी बहस में अनेक संविधान तथा कानून के जानकारों ने और यहां तक आम तौर पर मोदी सरकार की राय के साथ चलने वाले वरिष्ठ विधिवेत्ता तथा पूर्व-एडवोकेट जनरल, मुकुल रोहतगी तक ने राज्यपाल के ऐसी शर्त लगाने को अनाधिकार चेष्टा कहा था और उसके कदमों को एक कृत्रिम संकट पैदा करने वाला बताया था। बेशक, टीवीके नेता, शुरूआत में कोई 118 विधायकों के समर्थन का दावा नहीं कर रहे थे। लेकिन, भारत के संसदीय इतिहास की जरा-सी जानकारी रखने वाला भी यह बता देगा कि सरकार बनाने के लिए राष्ट्रपति/ राज्यपाल से आमंत्रण हासिल करने के लिए, ऐसा पूर्ण बहुमत का समर्थन जरूरी भी नहीं है। वास्तव में पिछले पचास साल के संसदीय इतिहास में ही राज्यों के स्तर पर ही नहीं, केंद्र के स्तर पर भी, अल्पमत सरकारें बनने और पूरे कार्यकाल तक चलने के भी अनेक चर्चित उदाहरण हैं। इनमें 1991 में बनी नरसिंह राव सरकार और 1996 में बनी अटलबिहारी वाजपेयी सरकार के उदाहरण भी शामिल हैं, जबकि बाद वाली सरकार तो वास्तव में तेरह दिन ही चल पायी थी। आर्लेकर की शर्त के हिसाब से तो ये सरकारें बन ही नहीं सकती थीं। वास्तव में भारत में न तो विभाजित जनादेश वाले चुनाव कोई अनहोनी रहे हैं और न ही अल्पमत सरकारें और ऐसी स्थितियों में राज्यपालों के फैसलों और उनके पीछे केंद्र की भूमिका पर विवाद भी उठते रहे हैं। इसी की पृष्ठभूमि में केंद्र-राज्य संबंधों पर विचार के क्रम में 1988 के सरकारिया आयोग ने तथा फिर 2002 के वेंकटचेलैया आयोग ने और 2010 के पंछी आयोग ने, एक राय से इस पर फैसला दिया था कि पूर्ण बहुमत प्राप्त पार्टी के दावे के अभाव में, सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने के लिए राष्ट्रपति/ राज्यपाल को प्राथमिकता का क्या क्रम अपनाना चाहिए? सबसे पहले मौका अकेले सबसे बड़े चुनाव-पूर्व गठबंधन को मिलना चाहिए। ऐसा दावेदार न होने की सूरत में, स्थिर सरकार बना सकने की दावेदार अकेली सबसे बड़ी पार्टी को मौका दिया जाना चाहिए। चुनाव के बाद बने गठबंधनों का नंबर, उक्त दोनों के बाद आता है क्योंकि मतदाताओं ने उसके आधार पर वोट नहीं दिया होता है। और इतना ही स्पष्ट यह भी हो चुका है कि इस तरह नियुक्त किसी भी सरकार के बहुमत का परीक्षण, संबंधित सदन में होना चाहिए, न कि राजभवन में किसी तरह की गिनती से या समर्थन को लेकर उसकी निजी संतुष्टि के जरिए। लेकिन, मोदी राज के बारह वर्षों में राज्यपालों की भूमिका को जिस तरह केंद्र सरकार के हाथों में राजनीतिक हथियार बनाया गया है, उसके हिस्से के तौर पर राज्यपालों के रूप में छांट-छांटकर ऐसे संघ-भाजपा नेताओं तथा पूर्व-नौकरशाहों की नियुक्तियां की गयी हैं, जो सहर्ष केंद्र की राजनीति का औजार बनने के लिए तैयार रहते हैं। मोदीशाही ने तो राज्यपालों को फिर से सक्रिय राजनीति में लाकर, चुनाव लड़ाने की अनोखी मिसालें कायम की हैं, जो सत्ताधारी पार्टी और राज्यपाल के पद के अंतर के ही मिटाये जाने के सबूत हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि यह न सिर्फ मोदी सरकार की ज्यादा से ज्यादा सत्ता अपने हाथों में केंद्रित करने की हवस को ही दिखाता है, बल्कि संघ-भाजपा के बुनियादी संघीय व्यवस्था विरोधी, एकात्मक व्यवस्था-परस्त सोच से भी मेल खाता है। इसलिए, हैरानी की बात नहीं है कि जहां विपक्ष-शासित राज्यों में मोदी राज के बैठाए राज्यपाल, अपनी संवैधानिक भूमिका को भूलकर, निर्वाचित सरकारों के काम-काज में अड़चनें डालने तथा वास्तव में विपक्षी सरकारों के खिलाफ राजनीतिक अभियान चलाने में ही लगे रहे हैं। वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में राज्यपालों के इन विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर बैठे रहने से लेकर, खासतौर पर उच्च शिक्षा संस्थाओं में नियुक्तियों में रोड़े अटकाने के खिलाफ, विपक्षी राज्य सरकारों को बार-बार उच्च न्यायालयों की शरण में जाना पड़ा है और सर्वोच्च न्यायालय तक को हस्तक्षेप करना पड़ा है। ऐसे राज्यपालों के जरिए, उक्त स्थापित व्यवस्था का उल्लंघन कर, सुविधा के तर्क से भाजपा की सरकारें बनवाने की कोशिशें नहीं की गयी होतीं, तो ही हैरानी की बात होती। गोवा, मणिपुर, कर्नाटक और महाराष्ट्र आदि कई राज्यों में, इसी तरह से भाजपा की सरकारें थोपने की कोशिशें की गयी थीं, हालांकि कर्नाटक तथा महाराष्ट्र के मामलों में तब ये कोशिशें ज्यादा कामयाब नहीं रही थीं और बाद में भाजपा को %ऑपरेशन कमल% का भी सहारा लेना पड़ा था। गोवा में 2017 में राज्यपाल के पद पर बैठायी गयी भाजपा नेता मृदुला सिन्हा ने 40 सदस्यीय सदन में, 17 विधायकों वाली कांग्रेस के दावे को अनदेखा कर, 13 विधायकों वाली भाजपा को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित कर लिया। जाहिर है कि बाद में भाजपा ने तोड़-फोड़ और खरीद-फरोख्त के जरिए, बहुमत का भी जुगाड़ कर लिया। उसी वर्ष मणिपुर में, 28 विधायकों वाली कांग्रेस के दावे के अनदेखा कर, राज्यपाल ने 21 विधायकों वाली भाजपा को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित कर लिया और उसे जोड़-तोड़ से बहुमत गढ़ने का मौका दे दिया। लेकिन, इसके अगले वर्ष कर्नाटक में राज्यपाल, वजूभाई वाला ने 224 सदस्यीय कर्नाटक विधानसभा में, कांग्रेस और जनता दल (सेकुलर) के चुनाव-बाद गठबंधन के बल पर, 115 विधायकों का समर्थन होने का दावा करने बावजूद, 104 विधायकों वाली भाजपा को सरकार बनाने का न्यौता ही नहीं दिया, उसे विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए 15 दिन का समय भी दे दिया। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप कर, इस अवधि को घटाकर दो दिन कर दिया ताकि खरीद-फरोख्त के लिए ज्यादा मौका न रहे और येदियुरप्पा को बहुमत हासिल न होने के कारण इस्तीफा देना पड़ा। इसी तरह, भगतसिंह कोशियारी ने 2020 में महाराष्ट्र में देवेंद्र फडनवीस को मुंह अंधेरे मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी, जबकि विपक्षी महाराष्ट्र विकास अघाड़ी का चुनावोत्तर गठबंधन के रूप में बहुमत का दावा उनके सामने था। यह दूसरी बात है कि बहुमत न जुगाड़ पाने की वजह से तब देवेंद्र फडनवीस को भी इस्तीफा देना पड़ा था। जाहिर है कि तमिलनाडु के राज्यपाल, आर्लेकर त्रिशंकु विधानसभा के सामने, भाजपा के लिए सुविधा के तर्क का वही खेल खेल रहे थे। लेकिन, भाजपा की तो तमिलनाडु विधानसभा में एक सीट ही आयी है और अन्नाद्रमुक के साथ उसका गठजोड़ भी, सरकार बनाने की किसी दावेदारी से कोसों दूर था। तब टीवीके की सरकार का रास्ता रोकने की कोशिश में केंद्र सरकार का क्या खेल हो सकता था? यह खेल था, द्रमुक के सरकार में रहने के लिए लालायित एक हिस्से के समर्थन से, जिसे टीवीके के जड़ पकड़ने में अपने अस्तित्व के लिए ही खतरा दिखाई दे रहा था, अन्नाद्रमुक की सरकार बनवाने का खेल। पर्दे के पीछे यह खेल तब तक जारी रहा, जब तक सीपीआई (एम) तथा सीपीआई ने और उनके दबाव में वीसीके तथा आईयूएमएल ने, जो सभी द्रमुक के साथ चुनाव-पूर्व गठबंधन में थीं, अपने 8 विधायकों के साथ टीवीके सरकार के लिए समर्थन देने की घोषणा नहीं कर दी। इस तरह, उसके समर्थन का आंकड़ा 121 हो गया। दूसरी ओर, टीवीके सरकार में शामिल होने के लिए कांग्रेस ने जिस तरह द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन से नाता तोड़ने की घोषणा की थी, उसके विपरीत, इन पार्टियों ने स्पष्ट कर दिया कि जनता के हित के प्रश्नों पर दबाव और आंदोलन के साधन के रूप में, द्रमुक के नेतृत्व वाला व्यापक गठबंधन जारी रहना चाहिए। इसने न सिर्फ आर्लेकर से 118 विधायकों की समर्थन की शर्त पूरी कर, रविवार को विजय के नेतृत्व में तमिलनाडु में नयी सरकार के गठन का रास्ता खोल दिया बल्कि भाजपा और केंद्र के दूरगामी खेल के लिए, द्रमुक को राजनीतिक रूप से अलग-थलग करने की चालों पर भी पानी फेर दिया। फिर भी राज्यपाल आर्लेकर ने टांग अड़ाने की आखिरी कोशिश में, नयी सरकार के लिए ज्यादा से ज्यादा 72 घंटे के अंदर अपना बहुमत साबित करने की शर्त लगा दी। यह खेल को केंद्र के हाथ से निकलने से रोकने की आखिरी हताश कोशिश है, जो खरीद-फरोख्त का बाजार गर्म होने की उम्मीद के भरोसे है, हालांकि द्रमुक के नयी सरकार को छ- महीने का समय देने के ऐलान के बाद, इस खेल के ग्राहक शायद ही मिलेंगे। दूसरी ओर, राजेंद्र आर्लेकर समेत संघ-भाजपा नियुक्त राज्यपालों के आचरण से, इस बहस ने एक बार फिर तेजी पकड़ ली है कि भारत की सवैधानिक व्यवस्था में, राज्यपाल के पद की क्या वाकई कोई जरूरत भी है?

नीट परीक्षा रद्द, पेपर लीक का एक और मामला

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश की सबसे बड़ी परीक्षा नीट 2026 को रद्द करने का फैसला लिया है। 3 मई को नीट परीक्षा आयोजित हुई थी, लेकिन उसके पर्चे पहले ही लीक हो गए थे, इस वजह से एनटीए ने परीक्षा को ही रद्द करने का फैसला लिया। ज्ञात हो कि नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) परीक्षा, भारत में मेडिकल कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित की जाती है। हर साल लाखों विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल होते हैं। इस बार 22 लाख बच्चों ने नीट परीक्षा दी थी। जिसके लिए कई छात्रों ने साल-दो साल की महंगी कोचिंग कक्षाओं में पढ़ाई की होगी, कई छात्रों के मां-बाप ने आर्थिक कठिनाइयों या अन्य दिक्कतों का सामना किया होगा, ताकि उनके बच्चे इस परीक्षा में सफल हो सकें तो डॉक्टर बनने के लिए मेडिकल कॉलेज में उनका दाखिला हो जाए। छात्रों का भविष्य, उनके सपने, बेहतर जीवन की तैयारी सब कुछ इस परीक्षा पर निर्भर होगा, जिसे एक झटके में पेपर लीक माफिया ने तोड़ दिया है। एनटीए ने तो एक बयान जारी कर बता दिया कि 3 मई 2026 को आयोजित परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। अब परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी। नयी परीक्षा तारीख की घोषणा बाद में आधिकारिक माध्यमों से की जाएगी। इससे आगे एनटीए में बैठे अधिकारियों ने अपनी और कोई जिम्मेदारी छात्रों के प्रति नहीं समझी। एनटीए ने कहा कि उसने 8 मई को पेपर लीक के मामले को स्वतंत्र जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए केंद्रीय एजेंसियों को भेजा था। उनसे चर्चा के बाद यह तय किया गया कि मौजूदा परीक्षा प्रक्रिया को बरकरार नहीं रखा जा सकता। एजेंसी ने माना कि दोबारा परीक्षा होने से छात्रों और उनके परिवारों को असुविधा होगी, लेकिन एनटीए के अनुसार परीक्षा प्रक्रिया पर विश्वास बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी था। कितनी आसानी से परीक्षा प्रक्रिया पर भरोसे की बात कही गई है। जबकि हकीकत ये है कि मोदी सरकार में पेपर लीक अब एक लाइलाज बीमारी जैसा बन गया है। पिछले 10 सालों में कम से कम 89 बार पेपर लीक हुए हैं, जिसमें चार बार तो नीट के ही पेपर लीक हुए हैं। इस बार मामले का खुलासा राजस्थान से हुआ। जहां हाथ से लिखे गए गेस पेपर मिले, इसमें 140 सवाल 3 मई की परीक्षा के पेपर के ही समान थे। लेकिन एनटीए ने अपने बयान इसका जिक्र नहीं किया है। ये सवाल 600 अंक के थे, और नीट पेपर में कुल 720 अंक ही होते हैं। यानी जिसके हाथों में ये गेस पेपर लगा होगा, उसने सभी सही जवाब दिए होंगे। अगर परीक्षा रद्द न होती तो फिर बेईमानी से उत्तीर्ण होने वाले लोग बहुतेरे होते। हालांकि असल सवाल वहीं का वहीं है कि गेस पेपर के नाम पर पर्चे का बड़ा हिस्सा आखिर किसने लीक किया। यह किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं है, इसमें पूरा माफिया काम करता है। एक-एक गेस पेपर 30-30 हजार तक में बेचा गया था, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि कितनी काली कमाई इसके जरिए की गई होगी। राजस्थान पुलिस ने हाथ से लिखे गेस पेपर को पकड़ा। सबसे पहले सीकर में यह सामने आया। इसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से अधिक प्रश्न हाथ से लिखे गए थे। पूरे दस्तावेज में एक ही हैंडराइटिंग थी। केरल के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे चुरू के एक छात्र ने 1 मई को सीकर में अपने दोस्त को यह गेस पेपर शेयर किया, जिसके बाद यह पीजी हॉस्टल्स, कोचिंग नेटवर्क, करियर काउंसलर्स और छात्रों के बीच तेजी से फैल गया। इसी से समझा जा सकता है कि इसके तार कैसे पूरे देश भर में फैले हैं। अकेले नीट परीक्षा ही नहीं, तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ अब पेपर लीक की विडंबना जुड़ चुकी है। और यही भाजपा शासन की, मोदी के अमृतकाल की पहचान बन चुकी है, जहां सरकार के संरक्षण में पल रहे पेपर लीक माफिया छात्रों का भविष्य तबाह कर रहे हैं। आज तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है, जहां पेपर लीक में शामिल किसी दोषी को कड़ी सजा हुई हो, जिसकी मिसाल लेकर ऐसे गोरखधंधे से लोग डरें। बल्कि जनता ने भी शायद इसे ही नियति मान लिया है कि उसके अपने बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होगा और उसे चुपचाप बर्दाश्त करना पड़ेगा। कुछेक मौके आए हैं जब युवा छात्र पेपर लीक के खिलाफ सड़कों पर उतरे, उनके मां-बाप भी साथ आए। लेकिन बाकी समाज इस तरफ से ऐसा बेपरवाह रहता है मानो उसका कोई लेना-देना ही न हो। कांग्रेस ने बिल्कुल ठीक कहा है कि पेपर लीक से हर साल लाखों सपने टूटते हैं, छात्रों का जीवन उजड़ जाता है, लेकिन उनका दर्द भाजपा नेताओं को नजर नहीं आता, क्योंकि उनके बच्चे तो विदेश में मजे से पढ़ाई कर रहे हैं। सच है- नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने परीक्षा की व्यवस्था को खोखला कर दिया है, जहां युवाओं के सपनों का गला घोंटा जा रहा है और देश की नींव कमजोर की जा रही है। शर्म आनी चाहिए। राहुल गांधी ने भी लिखा कि नीट अब कोई परीक्षा नहीं रही। नीट अब एक नीलामी बन गई है। परीक्षा से 42 घंटे पहले ही व्हाट्सऐप पर कई सवाल बेचे जा रहे थे। 22 लाख से ज्यादा बच्चों ने पूरे साल, रातों की नींद हराम करके, दिन-रात एक करके पढ़ाई की और एक ही रात में, उनका भविष्य सरेआम बाजार में नीलाम कर दिया गया। यह पहली बार नहीं हुआ है। 10 सालों में, 89 पेपर लीक, 48 बार दोबारा परीक्षा। हर बार वही वादे, और फिर वही चुप्पी। राहुल गांधी ने लिखा, मोदी जी, जब आप हर नाकामी को जनता पर डाल देते हैं, तो उसमें गरीबों के बच्चों का भविष्य भी शामिल हो जाता है। 22 लाख बच्चों का भरोसा टूट गया है और भारत के युवाओं के सपनों के लिए मोदी सरकार से बड़ा खतरा कोई नहीं है।

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में निजी संस्थानों की भूमिका रही है महत्वपूर्ण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। यूपी प्रेस क्लब में संपन्न हुई पत्रकार वाली के क्रम में की गई चमुख वातर्ताओं का सार आपकी सेवा में अग्रिम कार्यवारी हेतु सादर प्रस्तुत है। आज हम निजी आईटीआई संस्थानों से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों को आपके माध्यम से सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में निजी आईटीआई संस्थानों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। लाखों युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करने में निजी संस्थालों ने सरकार के सहयोगी के रूप में कार्य किया है। किन्तु वर्तमान समय में कई ऐसे निर्णय एवं प्रक्रियाएं लागू की गई हैं, जिनसे निजी आईटीआई संस्थानों की आर्थिक एवं प्रशासनिक स्थिति प्रभावित हो रही है। इसी संदर्भ में हमारी निम्न प्रमुख मांगे हैं। फीस वृद्धि आदेश तत्काल लागू किया जाए हमारी मांग है कि हरियाणा मॉडल के अनुरूप फीस वृद्धि इसी

सत्र से लागू की जाए। वर्तमान संचालन लागत, प्रशिक्षकों के वेतन, बिजली, उपकरण रखरखाव एवं अन्य प्रशासनिक बर्षों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में पुरानी फीस संरचना पर संस्थानों का संचालन अत्यंत कठिन हो गया है। यदि समय रहते फीस वृद्धि लागू नहीं की गई, तो अनेक संस्थानों के अस्तित्व पर संकट बड़ा हो सकता है। इसलिए सरकार से आग्रह है कि निजी आईटीआई संस्थानों की आर्थिक मजबूती हेतु तत्काल निर्णय लिया जाए। एन.आई.एम.एस. पोर्टल पर अनावश्यक नोडल वैरिफिकेशन समाप्त किया जाए जब प्रशिक्षकी का पेन, आधार, प्रमाणपत्र सत्यापन एवं ओटीपी आधारित ई केवाईसी पहले से ही सफलतापूर्वक हो रहा है, तब अतिरिक्त नोडल वैरिफिकेशन की प्रक्रिया अनावश्यक एवं शोषणकारी पतील होती है। यह प्रक्रिया संस्थानों पर अतिरिक्त प्रशासनिक दबाव बढ़ाती है तथा कार्य में अनावश्यक विलंब उत्थान करती हम मांग करते हैं कि डिजिटल सत्यापन प्रणाली को पर्यास मानते हुए अतिरिक नोडल पेरिफिकेशन तत्काल समास किया जाए धडे शिफ्ट पुनः बहन की जाए यहे शिफ्ट समाप्त होने से हजारों ऐसे विद्यार्थियों का अविध्य प्रभावित हो रहा है दिल में करी या अन्य कार्य करते हैं और शाम में तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।कौशल विकास का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को अवसर प्रदान करना है, न कि अवसर सीमित करना।

अतः सरकार से आग्रह है कि सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बड़े शिफ्ट पुनः बहाल की जाए। पीएमकेवीवाई 5.0 एवं अन्य कौशल विकास योजनाओं में निजी आईटीआई संस्थानों को अवसर दिया जाए निजी आईटीआई संस्थानों के पास पर्यास संसाधन, प्रशिक्षित स्टाफ, आधुनिक तैय एवं वर्षों का अनुभव उपलब्ध है। इसके बावजूद कई योजनाओं में निजी संस्थानों की भागीदारी सीमित कर दी जाती है, जिससे उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग नहीं हो पाता। हम मांग करते हैं कि PMKVY 5.0 सहित सभी कौशल विकास योजनाओं में निजी आईटीआई संस्थानों को समान अवसर एवं भागीदारी प्रदान की जाए। यूनिट साइज 40 से 45 प्रशिक्षार्थियों तक निर्धारित किया जाए वर्तमान परिस्थितियों एवं बढ़ती संचालन लागत को देखते हुए यूनिट साइज को 40 से बढ़ाकर 45 प्रशिक्षार्थियों तक किया जाना समय की आवश्यकता है। इससे संस्थानों की संचालन क्षमता मजबूत होगी तथा अधिक युवाओं को प्रशिक्षण का अवसर भी प्राप्त होगा। यह निर्णय कौशल विकास के व्यापक लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगा। एपीआई डेटा ट्रांसफर में देरी पर लगाए गए भारी पेनाल्टी आदेश को वापस लिया जाए तकनीकी कारणों, सर्वर समस्याओं एवं पोर्टल संबंधी बाधाओं के कारण कई बार एपीआई डेटा ट्रांसफर में विलंब हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में संस्थानों पर भारी आर्थिक पेनाल्टी लगाना न्यायसंगत नहीं है। हम मांग करते हैं कि इस प्रकार के दंडात्मक, गैरजरूरी, तुगलकी आदेश तत्काल वापस लिए जाएं तथा तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु व्यावहारिक नीति बनाई जाए। समापन हम सरकार से सकारात्मक संवाद एवं व्यावहारिक समाधान की अपेक्षा करते हैं। निजी आईटीआई संस्थान केवल शिक्षा संस्थान नहीं, बल्कि देश के युवाओं के कौशल निर्माण एवं रोजगार सृजन के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। यदि सरकार हमारी मांगों पर गंभीरता से विचार करती है, तो इससे न केवल संस्थानों को मजबूती मिलेगी, बल्कि लाखों युवाओं का भविष्य भी सुरक्षित होगा। दिनांक 15 मई दिन शुक्रवार को सुबह दस बजे उपरोक्त मांगो के समर्थन में पूरे प्रदेश के प्रत्येक जनपदों से प्रशिक्षकगण, प्रबंधकगण और प्रशिक्षार्थी भारी संख्या में निदेशक, प्रशिक्षण, प्रशिक्षण निदेशालय, गुरुगोविंद सिंह मार्ग पर एकत्रित होकर अपनी मांग रखेंगे, यदि त्वरित समाधान नहीं होता तो सभी वहीं पर अनिश्चितकालीन धरने पर भी बैठ सकते हैं।

बेवफाई से आहत होकर पानी की टंकी पर चढ़ी नाबालिग लड़की, फिर दौड़ा आया प्रेमी, बोला-नीचे उतरो, करूंगा शादी

➲ प्रेमी ने किशोरी को शादी करने का आश्वासन देकर बमुश्किल उतारा
➲ परिजनों के तमाम मिन्नतों के बाद भी नहीं मानी किशोरी

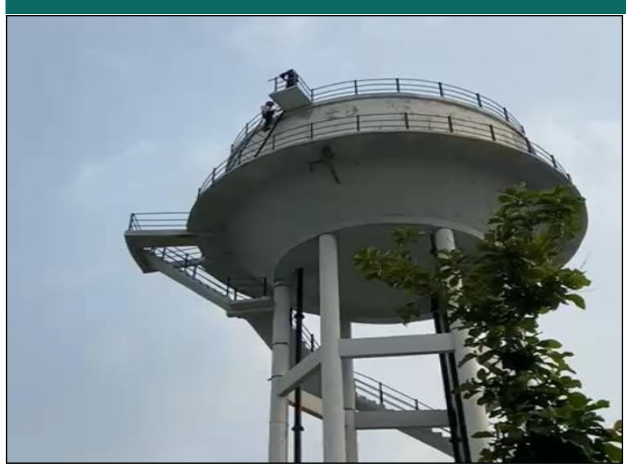

पूरनपुर, पीलीभीत। प्रेम प्रसंग के बाद युवक के शादी करने से मना करने पर नाबालिग किशोरी शादी की जिद कर आबादी के बाहर बनी पानी की टंकी पर चढ़ गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। युवक ने किशोरी को शादी करने का आश्वासन देकर बमुश्किल पानी की टंकी से नीचे उतारा। पुलिस प्रेमी युगल को थाना लेकर पंहुची है। माधोटांडा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी का गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों फोन पर बातचीत करते थे। इस बीच किशोरी ने युवक से शादी करने का प्रस्ताव रख दिया। चर्चा है कि युवक ने शादी करने से इन्कार कर दिया। मंगलवार सुबह लगभग आठ बजे युवक की बेवफाई से आहत किशोरी आबादी के बाहर बनी पानी की टंकी पर चढ़ गई। किशोरी को पानी की टंकी पर खड़ा देख ग्रामीणों में खलबली मच गई। सूचना पर युवक और किशोरी के परिजन मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने किशोरी को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह प्रेमी युवक को मौके पर बुलाने और शादी करने की जिद पर अड़ी रही। सूचना पर माधोटांडा पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने युवक को मौके पर बुलाकर किशोरी से वार्ता कराई। युवक द्वारा किशोरी को शादी का आश्वासन दिया गया। इसके बाद प्रेमी युवक ने पानी की टंकी पर चढी किशोरी को नीचे उतारा। पुलिस दोनों को थाना लेकर पंहुची है। इंस्पेक्टर अशोक पाल ने बताया कि सूचना पर पुलिस को मौके पर भेजा गया था। जानकारी जुटा जा रही है।

ग्रह प्रवेश कार्यक्रम पूजा अर्चना कर विधि विधान से हुआ सम्पन्न

मियाँगंज। पूजा अर्चना कर विधि विधान से सम्पन्न हुआ ग्रह प्रवेश कार्यक्रम। प्रधान कुरसठ ग्रामीण संतोष पाल एवं प्रधान प्रतिनिधि वीर पाल उनके पुत्र डॉ. रोहित पाल के गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में तमाम गणमान्य लोग शामिल हुए और प्रधान संतोष पाल, प्रधान प्रतिनिधि वीर पाल, डॉ. रोहित पाल को लखनऊ पारा स्थित नए गृह प्रवेश की शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। वीर पाल परिवार के सदस्यों ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुवे आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा नेता रामू तिवारी, वरिष्ठ नेता टिंकू सिंह, पार्षद प्रतिनिधि महेन्द्र सिंह, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष बीजेपी पंकज दुबे, प्रधान संघ मियाँगंज अध्यक्ष प्रवीण रावत, शीबू अहमद सदस्य प्रेस क्लब उत्तर प्रदेश, चिकन कारोबारी हारून खान, अंकुर शर्मा, गयारी पाल, नीलू, विक्रम सिंह, प्रदीप शर्मा, पिंटू पांडेय, शिवप्रसाद कोटेदार, नरेश कोटेदार, राजेन्द्र कोटेदार, राजेन्द्र यादव, छविनरायन टेंट हाउस, परमेश्वर, शिवकुमार, प्रदुमन यादव, सत्यम पाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दो बार के प्रचंड जनादेश के बाद भी बुलंदशहर को नहीं मिला मंत्री पद

भाजपा के अभेद किले बने जनपद की फिर हुई अनदेखी, मंत्रिमंडल विस्तार के बाद कार्यकर्ताओं में निराशा

जहांगीराबाद। प्रदेश सरकार के ताजा मंत्रिमंडल विस्तार ने बुलंदशहर भाजपा संगठन और कार्यकर्ताओं की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। लगातार दूसरी बार जिले की सभी विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज कराने वाले बुलंदशहर को इस बार भी मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका।

सूची जारी होते ही जिले में राजनीतिक चर्चाओं का दौर तेज हो गया और कार्यकर्ताओं के बीच मायूसी साफ दिखाई दी। राजनीतिक दृष्टि से बुलंदशहर भाजपा के सबसे मजबूत जिलों में गिना जा रहा है। वर्ष 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने जिले की सातों सीटों पर जीत हासिल कर इतिहास रचा। बताया जा रहा है कि 1957 के बाद पहली बार किसी दल ने लगातार दो चुनावों में जिले की सभी विधानसभा सीटों पर कब्जा बरकरार रखा है। इसके बावजूद प्रदेश सरकार में जिले का प्रतिनिधित्व तय नहीं हो सका। मंत्रिमंडल विस्तार से पहले जनपद के एक दो विधायकों के नामों की चर्चा जोरों पर थी। पार्टी कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि इस बार बुलंदशहर को सरकार में स्थान मिलेगा, लेकिन अंतिम क्षणों में जिले के सभी दावेदार पीछे रह गए। भाजपा समर्थकों का कहना है कि बुलंदशहर ने हर बड़े चुनाव में पार्टी को मजबूती दी है। लोकसभा से लेकर विधानसभा और स्थानीय निकायों तक भाजपा का दबदबा कायम है। ऐसे में जिले को बार-बार नजरअंदाज किया जाना कार्यकर्ताओं को खल रहा है। गौरतलब है कि वर्ष 2021 में हुए मंत्रिमंडल विस्तार में शिकारपुर विधायक अनिल शर्मा को राज्य मंत्री बनाया गया था, लेकिन नई सरकार बनने के बाद 2022 में उन्हें मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली। अब एक बार फिर जिले को प्रतिनिधित्व न मिलने से राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

जिले की राजनीति में भाजपा का एकछत्र वर्चस्व

बुलंदशहर में भाजपा का राजनीतिक आधार लगातार मजबूत होता जा रहा है। जिले की दोनों लोकसभा सीटें भाजपा के पास हैं, जबकि सातों विधानसभा सीटों पर भी पार्टी का कब्जा है। जिला पंचायत अध्यक्ष पद सहित अधिकांश नगर पालिकाओं और ब्लॉक प्रमुख पदों पर भी भाजपा समर्थित जनप्रतिनिधि काबिज हैं। इतनी मजबूत राजनीतिक स्थिति के बावजूद मंत्रिमंडल में स्थान न मिलने से स्थानीय कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है।

जहांगीराबाद में संतुलित भोजन के महत्व को दर्शाते हुए सलाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

रघुवर दयाल प्रभु दयाल इंटर कॉलेज जहांगीराबाद में संतुलित भोजन के महत्व को दर्शाते हुए सलाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 22 छात्राओं ने प्रतिभागिता की। गर्मियों के मौसम में भोजन के प्रति विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता होती है और इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सभी को अपने खान-पान में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इसी तथ्य को उजागर करते हुए कराई गई 卐सलाद प्रतियोगिता卐 में कक्षा 7 की ईशु ने प्रथम, कक्षा 10 की लक्ष्मी और पूजा यादव ने द्वितीय तथा कक्षा 6 की बानी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संतुलित भोजन में सलाद हमारे दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है क्योंकि यह पौष्टिक, कच्ची और ताजा सब्जियों तथा फलों का अनुपम स्रोत है। रोजाना सलाद के उपयोग से अनेक पोषक तत्व, फाइबर और पानी मिलता है जो स्वास्थ्य के लिए आवश्यक तत्व है। नियमित सलाद के उपयोग से हाई ब्लड प्रेशर, कैंसर, हीट स्ट्रोक तथा हृदय रोग से भी बचाव संभव है। प्रबंधक गिरीश गर्ग निदेशक शरद अग्रवाल और संयोजक कुलदीप गर्ग ने सभी बच्चों के प्रयास की सराहना की और अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की सलाह भी दी, वही महाविद्यालय प्राचार्या डॉ शीनू चौधरी ने भी सभी विजयी छात्राओं को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में इसी प्रकार अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित भी किया। प्रतियोगिता की संयोजिका मोनालिसा चौधरी रहीं।

मंडी तोड़ने की तैयारी की सूचना पर सैकड़ों दुग्ध उत्पादक पहुंचे मौके पर, घंटों चला प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बख्शी का तालाब क्षेत्र स्थित सीतापुर रोड छठा मील तिराहे पर बनी ऐतिहासिक किसान दुग्ध मंडी को हटाने और तोड़े जाने की सूचना से 12 मई 2026 को इलाके में हड़कंप मच गया। जैसे ही किसानों और दुग्ध उत्पादकों को मंडी परिषद द्वारा कार्रवाई की तैयारी की जानकारी मिली, बड़ी संख्या में किसान मौके पर एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने मंडी गेट पर धरना देते हुए सरकार और मंडी परिषद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों का कहना है कि यह मंडी केवल व्यापार का केंद्र नहीं बल्कि हजारों गरीब परिवारों की रोजी-रोटी का सहारा है। यदि मंडी को हटाया गया तो सैकड़ों दुग्ध उत्पादक बेरोजगार हो जाएंगे और उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। मौके पर पहुंचे शिवेंद्र यादव 'हनी ' ने

किसानों का समर्थन करते हुए कहा कि यह मंडी समाजवादी सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2006 में स्थापित की गई थी। उन्होंने बताया कि तत्कालीन मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने किसानों और दुग्ध व्यवसाय से जुड़े लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस मंडी की स्थापना कराई थी। उन्होंने कहा कि आज यह मंडी उत्तर प्रदेश की प्रमुख दुग्ध उत्पादन मंडियों में गिनी जाती है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान दूध का व्यापार करते हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसान विरोधी नीतियों के तहत मंडी को समाप्त करने की कोशिश कर रही है। प्रदर्शन कर रहे दुग्ध उत्पादकों का कहना था कि सरकार को इस मंडी के इतिहास और इससे जुड़े गरीब परिवारों की समस्याओं को समझना चाहिए। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि मंडी हटाने का निर्णय वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान किसानों में भारी आक्रोश देखने को मिला। किसान नेताओं ने कहा कि किसानों के हक और रोजगार पर किसी भी प्रकार का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मंडी तोड़ने की कार्रवाई तत्काल रोकी जाए और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए स्थायी समाधान निकाला जाए। स्थानीय किसानों का कहना है कि वर्षों पुरानी इस मंडी ने हजारों परिवारों को रोजगार दिया है और यह क्षेत्र की दुग्ध अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। ऐसे में मंडी हटाने का फैसला किसानों के भविष्य पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

चार महीने से अर्जुन लापता, परिजन परेशान

➲ तहरीर देने के बाद भी पुलिस कोई सुराग नहीं लगा सकी,
➲ अर्जुन की माँ ने लगाई सरकार से बेटे की बरामदगी की मांग

जहाँगीराबाद। नगर के मोहल्ला लोधान शहर व नगरपालिका वार्ड नम्बर 5 निवासी पप्पू सिंह का 15 वर्षीय पुत्र अर्जुन पिछले चार महीनों से लापता है, जिससे परिवार गहरे सदमे और चिंता में है। बेटे की तलाश में परिजन लगातार दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। अर्जुन की माँ सरोज ने बताया कि उनका बेटा करीब चार महीने पहले घर से अचानक लापता हो गया था। काफी तलाश करने के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर बेटे की बरामदगी की गुहार लगाई। आरोप है कि तहरीर देने के बावजूद अब तक पुलिस के हाथ कोई सफलता नहीं लगी है। बेटे के गुम होने से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि अर्जुन के गायब होने के बाद से घर में मातम जैसा माहौल बना हुआ है। परिवार के लोग रिश्तेदारों और आसपास के जनपदों में भी उसकी तलाश कर चुके हैं, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल पाई। माँ सरोज ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से बेटे की जल्द तलाश कर सकुशल घर वापस लाने की मांग की है। मोहल्ले के लोगों ने भी पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई करने की अपील की है। वहीं क्षेत्र में किशोर के लगातार लापता रहने से लोगों में चिंता का माहौल बना हुआ है।

अमेठी में बड़े मंगलवार पर भंडारे का आयोजन: व्यापार मंडल ने किया भव्य पूजा-अर्चना, प्रसाद वितरण

अमेठी। पावन ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार के अवसर पर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, जनपद अमेठी ने भव्य पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, महिला प्रकोष्ठ की सदस्यों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। जिलाध्यक्ष महेश सोनी की अनुपस्थिति में उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी सोनी ने कार्यक्रम का संचालन किया। लक्ष्मी सोनी महिला प्रकोष्ठ की जिला संरक्षक और नगर पंचायत अमेठी की पूर्व प्रत्याशी भी हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जिसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। पूरे वातावरण में भक्तिमय माहौल बना रहा और जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा। इस अवसर पर लक्ष्मी सोनी ने बड़े मंगलवार के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेम, भाईचारा और एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि व्यापार मंडल सामाजिक और धार्मिक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेता रहा है और भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखेगा। लक्ष्मी सोनी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी पदाधिकारियों, महिला प्रकोष्ठ की सदस्यों और स्थानीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की गई थी। लोगों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने व्यवस्था संभाली, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में व्यापार मंडल के महामंत्री सुशील जायसवाल, राहुल लोहिया, सोनू कसौधन, दिनेश यादव, हिमांशु कसौधन, हर्षित बरनवाल, पवन वैश्य सहित कई अन्य पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आप घर चलो, मैं आता हूं पिता से कहकर गया था बेटा, अगले दिन मिली मौत की खबर

पीलीभीत थाना माधोटांडा क्षेत्र के करनापुर गांव में स्थित हाथा बाबा के पास एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप गया। मृतक की पहचान थाना घुघंचाई क्षेत्र के गांव लुकटियाई निवासी महेश कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही शाहगढ़ चौकी पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि सोमवार को महेश कुमार अपने पिता रामचन्द्र के साथ पीलीभीत कोर्ट गया था, जहां उसकी पत्नी से समझौता हुआ था। समझौते के बाद महेश ने अपने पिता से कहा कि आप घर चलो, में बाद में आता हूं। लेकिन देर रात तक वह घर नहीं पहुंचा, जिससे परिजन परेशान हो गए। मंगलवार को पुलिस ने महेश के पिता को सूचना दी कि हाथा बाबा के पास एक युवक का शव पड़ा मिला है। मौके पर पहुंचकर पिता ने शव की पहचान अपने बेटे महेश कुमार के रूप में की।

इकलौते बेटे का शव देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजनों के मुताबिक महेश अपने माता-पिता का अकेला बेटा था। परिवार में पिता रामचन्द्र, माता जगो देवी और एक बहन हैं। महेश की शादी शाहगढ़ गांव में हुई थी। फिलहाल माधोटांडा पुलिस मौके पर मौजूद है और मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं मृतक युवक के परिजनों की ओर से अभी पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत सांकेतिक जिलाधिकारी बनीं राखी मेमोरियल विद्या निकेतन गर्ल्स इंटर कॉलेज की कु. सृष्टि चौहान

बिजनौर। नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के अंतर्गत राखी मेमोरियल विद्या निकेतन गर्ल्स इंटर कॉलेज की 11वीं कक्षा की मेधावी छात्रा कु. सृष्टि चौहान पुत्री श्री सीताराम चौहान, निवासी ग्राम मानियावाला गढ़ी, विकासखंड अफजलगढ़ को एक दिन के लिए सांकेतिक जिलाधिकारी बनाया गया। इस अवसर पर कु. सृष्टि चौहान ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर विभिन्न प्रशासनिक कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा जनसुनवाई, कार्यालय संचालन एवं विभागीय कार्यप्रणाली को निकट से समझा। जिलाधिकारी द्वारा उन्हें प्रशासनिक जिम्मेदारियों एवं शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में भी अवगत कराया गया। सांकेतिक जिलाधिकारी कु. सृष्टि द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में

महिला जनसुनवाई में आयी फरियादियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को सभी शिकायतें पूर्ण गुणवत्ता एवं निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत निस्तारित करने के लिए निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा सरकार के मिशन शक्ति कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को प्रोत्साहित, मजबूत और उनमें आत्मविश्वास पैदा करना है। उन्होंने आह्वान किया कि महिलाएं खुद को कमजोर न समझें और स्वयं को शिक्षित एवं सशक्त बनाते हुए देश और समाज के निर्माण अपनी भूमिका निभाएं। इस अवसर पर आईसीडीएस रविता राठी, प्रधानाचार्या राखी मेमोरियल विद्या निकेतन गर्ल्स इंटर कॉलेज संध्या शर्मा आदि मौजूद थे।

बागेश्वर धाम शिष्य मंडल लखनऊ श्री गुरु सेवा समिति द्वारा सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। जेष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगलवार को शहर में सुन्दरकाण्ड,हनुमान चालीसा और भंडारे का किया गए आयोजन। बागेश्वर धाम शिष्य मंडल लखनऊ श्री गुरु सेवा समिति ने शिव मंदिर यातायात लाइन लखनऊ सदर कैंट में सामूहिक रूप से पंडित अभिषेक पाठक द्वारा सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ कर महाआरती कर बाबा को भोग लगाया। इसके बाद प्रसाद वितरित किया। आयोजन मेघा सक्सेना और अमित सक्सेना द्वारा कार्यक्रम में सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रिय लोगों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया इस अवसर पर भाजपा के कई नेताओं पहुंच जिसमें महानगर उपाध्यक्ष दीपक शुक्ला, पूर्व पार्षद संजय दयाल वैश्य, महामंत्री मुकेश गुप्ता, ईशा यादव, हेम गुप्ता, संदीप कुमार वैश्य,विनय पांडे, मानस बिहारी, राजेंद्र पंडित कृष्ण लाल ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

नरेंद्रानंद सरस्वती बोले, मंदिर सरकार के नियंत्रण से मुक्त हो,हर हिन्दू को 1 गाय रखना होगा

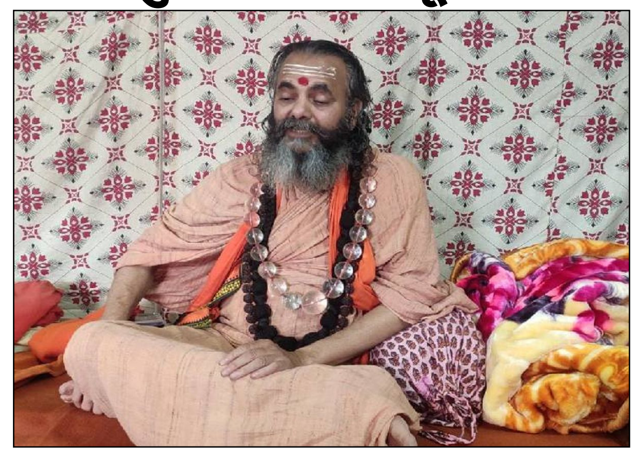

वाराणसी। सुमेरू पीठाधीश्वर शंकराचार्य नरेंद्रानंद सरस्वती ने देश के मौजूदा सामाजिक और धार्मिक मुद्दों पर बड़ा बयान दिया है। निर्माण दिवस कार्यक्रम में संतों की गोष्ठी के दौरान उन्होंने धर्मांतरण, समान नागरिक संहिता, मंदिरों के नियंत्रण और वैश्विक संकट जैसे विषयों पर खुलकर अपनी राय रखी। स्वमी नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा भारत एक रहे, सुरक्षित रहे और संरक्षित रहे। ब्रह्मलीन शंकराचार्य शंकरानंद सरस्वती जी के 35वें निर्माण दिवस पर चंद्रमौलेश्वर और त्रिपुर सुंदरी का महाभिषेक और चक्रार्चन संपन्न हुआ। इसके बाद संतों की गोष्ठी हुई, जिसमें देश की ज्वलंत परिस्थितियों पर चर्चा की गई। धर्मांतरण जो एक तरह से राष्ट्रांतरण है, वह देशहित में नहीं है। मंदिरों का नियंत्रण सरकार के बजाय हिंदुओं के हाथ में होना चाहिए। समान शिक्षा नीति और समान नागरिक संहिता समय की जरूरत है। संतों का काम धर्म जागरण करना है। अगर समाज जागरूक होगा तो गौसंरक्षण भी होगा और स्वस्थ समाज का निर्माण होगा। स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा सोना वैसे भी कलियुग का वास माना गया है, जो अशांति पैदा करता है। सोने के कारण अपराध भी बढ़ते हैं, लोगों की जान तक चली जाती है। इसलिए जहां तक संभव हो, सोने और आधुनिक संसाधनों का सीमित उपयोग करना चाहिए। वैश्विक संकट के दौर में प्रधानमंत्री ने जो अपील की है, वह देशहित में है और जनता को उसका पालन करना चाहिए। नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा हमारी 14 विद्याओं में ज्योतिष भी महत्वपूर्ण विद्या है, जिसे नेत्र कहा गया है। अगर ज्योतिषाचार्य सलाहकार हैं तो वे अच्छा मार्गदर्शन ही करेंगे। जो लोग सनातन को समाप्त करने की बात कर रहे थे, वे स्वयं समाप्त हो गए। विजय का आना राष्ट्रहित, देशहित और मानवता के हित में है।

मालवीय चौराहे पर कूड़ा फेंककर सफाईकर्मियों का प्रदर्शन,वेतन न बढ़ने से नाराज

वाराणसी। वाणसी के लंका स्थित मालवीय प्रतिमा चौराहे पर नगर निगम के सफाईकर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। विरोध जताने के लिए कर्मचारियों ने सड़क पर कूड़ा बिखेर दिया और प्रशासन के खिलाफजमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के चलते लंका क्षेत्र के कई हिस्सों में गंदगी फैल गई, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे सफाईकर्मियों का कहना था कि वे प्रतिदिन सुबह से शाम तक पूरे शहर को स्वच्छ रखने का काम करते हैं, लेकिन उनकी समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि अन्य विभागों के कर्मचारियों का वेतन बढ़ाया जा रहा है, जबकि सफाईकर्मियों के वेतन में कटौती की जा रही है। उनका कहना है कि बढ़ती महंगाई में कम वेतन पर परिवार चलाना बेहद मुश्किल हो गया है। सफाईकर्मियों ने कहा कि वे हर मौसम में मेहनत कर शहर की सफाई व्यवस्था संभालते हैं और नगर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके साथ उपेक्षापूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने पीएम का जिक्र करते हुए कहा कि वह कई मौकों पर सफाईकर्मियों का सम्मान कर चुके हैं। लेकिन उनके संसदीय क्षेत्र वाणसी में ही सफाईकर्मियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई और वेतन में बढ़ोतरी नहीं की गई, तो वे शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप करने को मजबूर होंगे।

शंकराचार्य की सभा में मधुमक्खियों का हमला

वाराणसी। ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की सभा में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद श्रद्धालुओं पर हमला कर दिया। बढ़ती अव्यवस्था को देखते हुए कार्यक्रम तय समय से पहले ही समाप्त कर दिया गया। सभा के बीच शंकराचार्य ने कहा कि मधुमक्खियां भी एक अच्छी चीज अच्छी नहीं लगती, इसलिए किसी ने छत्ते को कुरेद दिया होगा। उन्होंने सभा में मौजूद सभी लोगों से कहा कि आप लोग पत्थर की मूरत की तरह बैठे रहे यह मधुमक्खी कुछ नहीं करेंगी। इस दौरान उन्होंने सभी को संकल्प दिलाया कि वह गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए अभियान में जुड़ेंगे। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा हमारी सरकार से यही मांग है कि गौमाता को माता कहो, पशु सूची से हटाओ और उनका मांस बेचना बंद करो। सरकार ने अभी तक हमारी बात नहीं मानी है। आगे हमारी यह बात मानी जाए, यही हम चाहते हैं। शंकराचार्य का कहना है कि सनातन धर्म में गौमाता पशु नहीं बल्कि धर्म, संस्कृति और सृष्टि की पोषिका और आधारशिला के रूप में देखा गया है। गौमाता अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र रही हैं। गौमाता के प्राणों की रक्षा के लिए जितना यत्न भारत में हुआ अगर उतना प्रयास पाकिस्तान में भी होता तो वहां भी गौमाता के प्राणों की रक्षा सुनिश्चित कर उनको राष्ट्रमाता घोषित किया जाये। शंकराचार्य गविष्टी गौरक्षार्थ धर्मयुद्ध यात्रा के तहत वाराणसी के रोहनिया में शंकराचार्य ने सभा रखी थी। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। यह यात्रा गौ रक्षा संकल्प के अंतर्गत निकाली जा रही है, जिसका उद्देश्य गौवंश संरक्षण तथा गौमाता को राष्ट्रमाता और राज्यमाता घोषित कराने की मांग को जन-जन तक पहुंचाना बताया गया है। यात्रा गोरखपुर से शुरू होकर प्रदेश की सभी 403 विधानसभाओं से गुजर रही है।

एबीवीपी ने एनटीए का फूंका पुतला,काशी विद्यापीठ के गेट पर की नारेबाजी

वाराणसी। वाराणसी में एबीवीपी महानगर इकाई द्वारा बुधवार को एनटीए (एनटीए) के विरोध में परिसर में पुतला दहन कर प्रदर्शन किया गया। परिषद कार्यकर्ताओं ने लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफनाराजगी जताते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। महानगर मंत्री शिवम तिवारी ने कहा कि एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक की घटनाएं सामने आने से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि छात्र पूरे वर्ष मेहनत कर परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन पेपर रद्द होने से उनका मनोबल टूट जाता है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान आकाश प्रताप सिंह ने कहा कि यदि एनटीए पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से परीक्षाएं आयोजित नहीं कर पा रहा है तो उसे तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो विद्यार्थी परिषद व्यापक आंदोलन करेगी। कार्यक्रम में आशुतोष तिवारी हर्षित ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कठिन मेहनत से धन जुटाते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाएं छात्रों के सपनों को तोड़ रही हैं। उन्होंने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। प्रदर्शन में गुरु प्रकाश सिंह, अंकुर तिवारी, प्रियांशु वर्मा, राहुल पाण्डेय, शुभम तिवारी, प्रियांशु सिंह, विशाल सिंह और अतुल उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई,कार क्षतिग्रस्त, कोई जनहानि नही

वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। यह घटना स्थानीय बाजार स्थित टीवीएस एजेंसी के समीप लगभग दो बजे हुई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भदोही की ओर से वाराणसी की तरफजा रही ऑरा कार काफी तेज गति में थी। चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप कार सड़क के बीच बने डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद कार में सवार चालक और एक अन्य युवक मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर जंसा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को सड़क किनारे हटवाकर यातायात सामान्य कराया।

आगरा-फतेहाबाद रोड पर बाइक सवार युवक की मौत

आगरा। आगरा-फतेहाबाद रोड पर मंगलवार देर रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही थाना डौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान नवामील कलुआपुरा निवासी जगदीश (35) पुत्र दौलत राम के रूप में हुई है। वह टूंडला क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप पर काम करता था। मंगलवार रात जगदीश ड्यूटी खत्म कर अपनी बाइक से घर लौट रहा था। थाना डौकी क्षेत्र में आगरा-फतेहाबाद रोड पर स्थित एक पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

बिना मान्यता वाला स्कूल बंद,प्रशासन ने 50 बच्चों का दूसरे स्कूलों में कराया दाखिला

अमेठी। विकासखंड गौरीगंज क्षेत्र में बिना मान्यता संचालित राजबहादुर सिंह पब्लिक स्कूल, तुलसीपुर को प्रशासन और शिक्षा विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बंद करा दिया है। यह कार्रवाई खंड शिक्षा अधिकारी गौरीगंज अर्जुन सिंह के निर्देश पर की गई।

खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन सिंह ने बताया कि शिकायतें मिलने और जांच के दौरान यह सामने आया कि यह विद्यालय बिना वैध मान्यता के संचालित हो रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए नायब तहसीलदार गौरीगंज अनुश्री त्रिपाठी और खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण कराया। निरीक्षण में विद्यालय में एलकेजी से कक्षा 8 तक लगभग 50 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत पाए गए, जिनमें से मौके पर 32 बच्चे उपस्थित थे। विद्यालय प्रबंधन से मान्यता संबंधी अभिलेख मांगे गए, लेकिन वे उपलब्ध नहीं करा सके। इस पर विद्यालय संचालकध्प्रबंधन ने लिखित रूप में स्वीकार किया कि विद्यालय वर्तमान में बिना मान्यता संचालित हो रहा था और मान्यता मिलने तक इसका संचालन नहीं किया जाएगा। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए विभाग ने तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की। विद्यालय में अध्ययनरत 32 बच्चों का प्रवेश नजदीकी मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कराया गया है। इनमें प्राथमिक विद्यालय धारूशाह, कंपोजिट विद्यालय तुलसीपुर, कंपोजिट विद्यालय गौरीपुर, कंपोजिट विद्यालय पूरे गौरन और प्राथमिक विद्यालय ओरीपुर सुरौली शामिल हैं। शेष बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया भी जारी है। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शिक्षा विभाग की प्राथमिकता बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित शिक्षा उपलब्ध कराना है। बिना मान्यता संचालित विद्यालय बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हैं, जिन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे विद्यालयों के विरुद्ध आगे भी अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक कार्रवाई के तहत संबंधित विद्यालय परिसर में ताला लगाकर उसे बंद कर दिया गया है। शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का प्रवेश केवल मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ही कराएं और विद्यालय की मान्यता की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

तेज हवाएं, धूल भरी आंधी,आसमान में बादल होने से दिन में छाया अंधेरा

अमेठी। जनपद में भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को आज दोपहर अचानक मौसम बदलने से राहत मिली। आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगीं। धूल भरी आंधी के कारण दिन में ही अंधेरा छा गया। तेज हवाओं और धूल भरी आंधी से राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर वाहन चालकों को धीमी गति से चलना पड़ा। पिछले कई दिनों से जिले का तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था, जिससे भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा था। लोग घरों में रहने को मजबूर थे। धूप के गायब होने से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ घंटों में जिले में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी के भी आसार बने हुए हैं। यदि बारिश होती है, तो तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिलेगी। फिलहाल जिले में बादलों की आवाजाही जारी है और लोग बारिश का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, तेज आंधी से संभावित नुकसान की आशंका भी बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

युवक सीवर के पानी में लेटा,लॉ कॉलेज रोड पर सीवर जाम के खिलाफप्रदर्शन

वाराणसी। राजातालाब-लॉ कॉलेज रोड पर बुधवार को सीवर जाम की समस्या के विरोध में एक अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला। एक युवक सड़क पर बहते गंदे पानी के बीच अर्धनग्न अवस्था में लेट गया और मोबाइल फोन पर बात करता रहा। इस दृश्य ने राहगीरों को हैरान कर दिया। यह घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में हुई, जहां राजातालाब क्षेत्र में पिछले कई महीनों से सीवर लाइन जाम होने के कारण सड़क पर गंदा पानी बह रहा है। कई स्थानों पर मैनहोल खुले और क्षतिग्रस्त पड़े हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय लोग बदबू और गंदगी से परेशान हैं, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। निवासियों ने इस समस्या के समाधान के लिए कई बार शिकायतें की हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। तेज धूप और बदबूदार पानी के बीच युवक सड़क पर लेटा रहा और शांत भाव से फोन पर बातचीत करता रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे कपड़े पहनने और सड़क से हटने के लिए कहा, लेकिन युवक ने उनकी बातों को अनसुना कर दिया और काफी देर तक वहीं लेटा रहा। युवक की इस हरकत का वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने अपने कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। तपती सड़क और बहते अवजल के बीच इस तरह लेटना लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। लोगों के बीच यह चर्चा होती रही कि युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ है या फिर किसी बात से परेशान होकर ऐसा कर रहा है। पुलिस भी मामले की जानकारी जुटाने में लगी रही। बाद में युवक ने अपनी पहचान पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य राजकुमार गुप्ता के रूप में बताते हुए कहा कि यह उनका अनोखा विरोध प्रदर्शन है। उनके अनुसार, वह इस माध्यम से व्यवस्था की बदहाली को दिखाना चाहते थे ताकि समस्या की ओर सरकार और प्रशासन का ध्यान जाए और जल्द समाधान हो सके।

बिजली कटौती से नाराज महिलाओं का प्रदर्शन

अमेठी। जिले में बिजली की खराब व्यवस्था और भीषण गर्मी में अघोषित कटौती से नाराज महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में महिलाएं विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता कार्यालय के बाहर एकत्र हुईं और व्यवस्था सुधारने की मांग की। यह प्रदर्शन किसान नेत्री रीता सिंह के नेतृत्व में हुआ। सैकड़ों महिलाओं ने कार्यालय के बाहर नारेबाजी करते हुए बिजली आपूर्ति में तत्काल सुधार की मांग की। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि लगातार बिजली कटौती से घर के काम, बच्चों की पढ़ाई और बीमार लोगों को भारी परेशानी हो रही है। महिलाओं ने अधीक्षण अभियंता को एक ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि भीषण गर्मी को देखते हुए उपभोक्ताओं को लगातार विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता है, लेकिन विभागीय उदासीनता के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है। महिलाओं ने अघोषित विद्युत कटौती तुरंत बंद करने और रोस्टर के अनुसार ही आपूर्ति देने की मांग की। इसके अतिरिक्त, महिलाओं ने जामों के कनिष्ठ अभियंता (जेई) के व्यवहार पर भी सवाल उठाए।

आगरा में सीबीएसई 12वीं के रिजल्ट में छात्राओं ने मारी बाजी,डीपीएस की खुशी ने किया जिला टॉप

आगरा। आगरा में इस बार सीबीएसई 12वीं के रिजल्ट ने छात्राओं के शानदार प्रदर्शन की तस्वीर पेश की है। जिले में टॉप-2 स्थान भी छात्राओं ने हासिल किए, जिससे शहर के स्कूलों में खुशी और गर्व का माहौल देखने को मिला। दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा खुशी सबलोक ने 98.8 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि सुमित राहुल स्कूल की छात्रा परिशी ने 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान अपने नाम किया। दोनों छात्राएं कॉमर्स स्ट्रीम की हैं। इस उपलब्धि से न सिर्फ उनके परिवार बल्कि स्कूल स्टाफ और सहपाठियों में भी खुशी की लहर है। रिजल्ट आने के बाद स्कूलों में मिठाई बांटी गई और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। खुशी सबलोक ने बताया कि वह आगे चलकर दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकाम (भ्वदे) करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कॉमर्स विषय में उनकी रुचि शुरू से थी, इसी वजह से उन्होंने यह स्ट्रीम चुनी। खुशी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार को दिया। उनके पिता सीए हैं और घर में माता-पिता, बड़ा भाई और दादी के साथ संयुक्त परिवार में रहती हैं। कुल मिलाकर सीबीएसई 12वीं का परिणाम इस बार 85.20 प्रतिशत रहा, जिसमें छात्राओं ने एक बार फिर छात्रों से बेहतर प्रदर्शन किया। लड़कियों का पास प्रतिशत 88.86 और लड़कों का 82.13 प्रतिशत दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार नियमित पढ़ाई और डिजिटल लर्निंग के बढ़ते उपयोग का असर परिणामों में साफदिखाई दिया है। रिजल्ट जारी होते ही साइबर कैफे, स्कूलों और घरों में मोबाइल फोन पर परिणाम देखने वालों की भीड़ लग गई। कई छात्र-छात्राएं अपने परिणाम देखकर भावुक नजर आए, जबकि सफल विद्यार्थियों को परिवार और शिक्षकों ने मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

डीजल बचाने के लिए अयोध्या नगर निगम की नई पहल

➲ जनरेटर कम चलेंगे, कर्मचारियों को सार्वजनिक वाहन से आने के निर्देश

अयोध्या। अयोध्या नगर निगम ने बढ़ते डीजल खर्च में कटौती के लिए नई व्यवस्था लागू करने का फैसला लिया है। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के बीच हुई बैठक के बाद विभागाध्यक्षों को इस संबंध में कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम कार्यालयों में अब जनरेटर का प्रयोग केवल अत्यंत आवश्यक स्थिति में ही किया जाएगा। निर्देश दिए गए हैं कि कार्यालय संचालन के दौरान जनरेटर कम से कम चलाए जाएं, ताकि डीजल की खपत घटाई जा सके। इसके अलावा सरकारी वाहनों के उपयोग में भी कमी लाने के निर्देश दिए गए हैं। कर्मचारियों से अपेक्षा की गई है कि वे कार्यालय आने-जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल करें। महापौर ने पार्षदों से भी अधिक डीजल खर्च करने वाले वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहन या दोपहिया वाहन अपनाने की अपील की है। नगर निगम ने बड़ा मंगल के अवसर पर शहर में लगने वाले भंडारों के लिए विशेष व्यवस्था करने का निर्णय लिया है। निगम की ओर से भंडारा स्थलों पर जरूरत के अनुसार पेयजल, डस्टबिन और सफाई की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए नगर निगम ने टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 18003131277 जारी किया है। महापौर ने भंडारा आयोजकों से अपील की है कि वे हेल्पलाइन पर सूचना देकर नगर निगम से सहयोग लें। उन्होंने कहा कि भंडारों में ईंधन की खपत कम करने के लिए फल, लस्सी और जूस जैसी सामग्री का वितरण किया जाए। साथ ही प्लास्टिक कोटेड दोना-पत्तल के बजाय कागज या पत्तल के उपयोग पर जोर दिया गया है।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को भंडारा स्थलों पर 'जीरो प्लास्टिक' संबंधी पोस्टर लगाने के निर्देश भी दिए हैं।

सोनम बाजवा

ईमानदारी से काम किया, इसलिए मेरी गलतियां माफ हो गईं, इंडस्ट्री में टिकना बड़ी बात

पंजाबी फिल्मों और बॉलीवुड में काम कर चुकीं एक्ट्रेस सोनम बाजवा फिर से अपनी एक पंजाबी फिल्म शिपट्ट सियापाश् के साथ लौट आई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में नवभारत टाइम्स के साथ बातचीत में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में काफी कुछ बताया। पंजाबी फिल्मों का जाना-माना नाम सोनम बाजवा का कहना है कि उन्होंने अपने करियर में ऐसे-ऐसे फैसले लिए हैं जो शायद नहीं लेने चाहिए थे। बीते दिनों अपनी फिल्म शिपट्ट सियापाश् के सिलसिले में दिल्ली आईं सोनम बाजवा ने हमसे तमाम मुद्दों पर बातें कीरू – आपकी फिल्मी सफर बहुत ही दिलचस्प रहा। आपने मॉडलिंग भी की है, साउथ में भी काम किया है और पंजाबी से लेकर बॉलिवुड तक में काम किया है। आप अपनी इस यात्रा को कैसे देखती हैं? जब मैं अपना सफर देखती हूं, तो कभी सोचा नहीं था कि यहां तक पहुंच जाएंगे या जिंदगी में कुछ कर लेंगे। जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो सोचती हूं कि आखिर कैसे हुआ। क्योंकि मैंने सारे डिसीजन तो सही नहीं लिए। जब आप एक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, आपकी कोई ट्रेनिंग नहीं है, कोई आपको गाइड करने वाला नहीं है, आपको पीछे से सपोर्ट देने वाला नहीं है, तो आपकी एक गलती भी आपको बहुत पीछे लेकर जा सकती है। मुझे लगता है कि मैंने ऐसे कई फैसले लिए जो शायद नहीं लेने चाहिए थे, कई जगह हां बोला, जहां ना कहना चाहिए था। लेकिन वही है न कि आप अपनी गलतियों से सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं। तो बस मुझे यही लगता है कि मैंने बहुत शिद्दत और ईमानदारी से काम किया और लोगों का प्यार मिलता रहा। तभी तो इतनी सारी गलतियां भी माफ हो गईं। कई प्रोजेक्ट्स जो शायद नहीं करने चाहिए थे, वह भी ऑडियंस भूल जाती है क्योंकि ऑडियंस को आप अपने लगने लगते हैं। इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था मैं यहां तक पहुंच जाऊंगी। क्योंकि मुझे पहली फिल्म याद है। जब पहली फिल्म बेस्ट ऑफ लक मिली थी, तब लगता था कि यही पहली और आखिरी फिल्म है। इसके बाद कौन मुझे लेगा। क्योंकि मुझे लगता था कि वह फिल्म तो मुझे इसलिए मिल गई क्योंकि उनको उस रात को ही ऐक्टर का पासपोर्ट चाहिए था, नहीं तो उनकी फिल्म का शेड्यूल लेट हो जाता। और मैं उसी दिन ऑडिशन देने पहुंची थी। शायद भगवान चाहते थे कि मैं ऐक्टर बनूं। तो मैं बस ऑडिशन देकर अभी नीचे ही उतरी थी कि उन्होंने बोला, हां आप अपना पासपोर्ट भेजिए, आप फिल्म के लिए चुन ली गई हैं। – आज आप दिल्ली में हैं और आपकी एजुकेशन भी दिल्ली से है। तो जब भी आप यहां आती हैं तो किन पुराने दिनों को याद करती हैं? अभी तो मुझे मेरा पीजी (पेइंग गेस्ट रूम) याद आ रहा है। साउथ दिल्ली में पीजी में रहती थी। अगर उस वक्त मुझे कोई कहता कि तुम हिरोइन बनोगी, तो मैं उस इंसान पर शायद हंसती और कहती कि प्लीज कम फेंको थोड़ा सा। इसलिए मैं यही कहूंगी कि जिंदगी बहुत खूबसूरत और सरप्राइजेज से भरी हुई है। सफर आसान नहीं था, लेकिन वही बात है कि अगर आपकी नीयत साफ हो, आपका दिल साफ हो और आप मेहनती हैं तो हो सकता है कि कामयाबी आपको थोड़ी सी लेट मिले, लेकिन जरूर मिलती है। शिपट्ट सियापाश् सोनम बाजवा म्ड्बसनेपअमरू ईमानदारी से काम किया, इसलिए मेरी कई गलतियां माफ हो गईं – आपकी फिल्म पिट्ट सियापा का कॉन्सेप्ट बहुत दिलचस्प है। क्या आप कभी ऐसी सिचुएशन से असल जिंदगी में भी रूबरू हुई हैं? समाज में जब आप रहते हैं तो आपकी जिंदगी में कभी ना कभी तो होता ही है कि जब आप किसी के फ्यूनरल में जाते हैं। मेरी भी लाइफ में ऐसा हुआ है। मुझे पक्का यकीन था कि मेरी पहली फिल्म के बाद मुझे कोई काम नहीं मिलने वाला। पता नहीं कैसे मुझे पंजाब 1984 मिली, जिसे नैशनल अवॉर्ड मिला। उस फिल्म ने मेरे करियर का ग्राफ तो चेंज किया ही, मेरा सोचने का तरीका भी बदल दिया। और वहां से मैंने सोचा कि अब मैं फिल्मों में ही काम करूंगी। और वहां से यहां तक के सफर में बहुत कुछ मिला, जो कि बिल्कुल भी आसान नहीं था। – आपकी फिल्म में डायलॉग है जिसमें आप कहते हैं कि दिलजीत दोसांझ जिंदाबाद थे, हैं और रहेंगे। आपने तो फिल्म बॉर्डर 2 में साथ काम भी किया है। उनके साथ आपका अनुभव कैसा रहा? बॉर्डर 2 दिलजीत के साथ मेरी दूसरी फिल्म थी। पहली थी पंजाब 1984, उनकी भी सफलता बेमिसाल है, पंजाब में दर्शकों का दिल जीतने से लेकर भारत और अब एक ग्लोबल स्टार बनने तक। मैं जब भी उनकी तरफ देखती हूं तो यही अहसास होता है कि लाइफ में हमेशा बड़े सपने देखने चाहिए कि अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो मेरे साथ भी हो सकता है। दिलजीत वाकई बहुत मेहनती हैं और बहुत फोकस्ड भी हैं। उन्हें सिर्फ अपने काम से मतलब है। वह दिल से बहुत सिंपल इंसान हैं। पूरा पंजाब ही नहीं, पूरा इंडिया उनसे प्रेरणा लेता है। मैं उनके साथ जब भी काम करती हूं, तो उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। मेरे लिए वह एक प्रेरणा हैं। – पंजाबी सिनेमा ने जो हिंदी सिनेमा के बाद अपनी पहचान बनाई, इसकी आप क्या वजह मानती हैं? मैं आपकी इस बात से बिल्कुल सहमत हूं कि लोग पंजाबियों को बहुत प्यार करते हैं, उनकी भाषा लोगों को बहुत स्वीट लगती है, बड़ी अपनी सी लगती है। संगीत में भी, कोई नॉन पंजाबी भी है, तो भी हर एक की प्ले लिस्ट में पंजाबी गाना होगा। पहले तो लोग कहते थे अरे ये डांसिंग डांस वाले गाने हैं, लेकिन आप सतेंद्र सरताज जी के गाने सुनें, वह जब मुंबई या पुणे में कॉन्सर्ट करते हैं, तो उनका कार्यक्रम सोल्ड आउट होता है। वह कोलकाता में करें, मुंबई में करें या पुणे में करें, बहुत सारे नॉन पंजाबी लोग उनके कॉन्सर्ट में आते हैं। तो शायद ये मेहरबानी कुदरत की है कि लोगों को इस भाषा से बहुत प्यार है, इस कल्चर से बहुत प्यार है। हिंदी सिनेमा भी बहुत समय तक पंजाब से जुड़ी कहानियां दिखाता आया है, तो लोगों के अंदर वह प्यार बना हुआ है। अभी पंजाबी इंडस्ट्री दूसरी फिल्म इंडस्ट्रीज की तुलना में बहुत नई और काफी छोटी है। इस इंडस्ट्री में अच्छा करने की बहुत संभावनाएं हैं। लेकिन कोविड के बाद लोगों को सब-टाइटल्स के साथ भी कॉन्टेंट को देखने की आदत हो गई है। हम कोरियन सिनेमा, फ्रेंच कॉन्टेंट या इस्राइली सिनेमा भी सब-टाइटल्स के साथ देखते हैं। तो थोड़ा सा जो बैरियर है भाषा का, वह भी कम होता जा रहा है। मुझे लगता है कि ये भी एक कारण है कि लोग पंजाबी सिनेमा को इतना प्यार करते हैं। दूसरी बात यह कि हमारा सिनेमा परिवार से जुड़ा होता है। मैं मुंबई में बहुत सालों से रहती हूं। कोविड के बाद मुझे बहुत से लोग मिलते थे, जो कहते थे कि हमने कोविड के दौरान घर बैठे आपकी फलाना फिल्म देखी। मुंबई में कई लोगों ने मुझे ये बात बोली है। पंजाबी सिनेमा की सबसे बड़ी ताकत है कि वह फैमिली ओरिएंटेड सिनेमा है।

धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुई हेमा मालिनी

एक्ट्रेस हेमा मालिनी गुरुवार को अपने पति और एक्टर धर्मेंद्र को याद करते हुए भावुक हो गईं। मुंबई में एक इवेंट का वीडियो सामने आया, जिसमें हेमा मालिनी ने कहा, 'उनका सफर पैशन, डेडिकेशन और ऑडियंस के लिए बहुत ज्यादा प्यार से भरा था। वो हमेशा यही कहते थे कि फिल्म दिल से जुड़ने का जरिया है। वह फिल्मों और कैमरे को लेकर पैशनेट थे। उनके लाइफ पार्टनर के तौर पर, मैंने देखा कि वह कितने पैशनेट थे और उन्होंने लाखों लोगों के दिलों को छुआ है और सबके साथ उनका व्यवहार ऐसा था।' एक्ट्रेस ने आगे कहा, श्उन्होंने एक एक्टर, एक दोस्त, एक पिता के तौर पर बहुत से लोगों को, यहां तक कि यंगस्टर्स को भी इंस्पायर किया है। वह एक महान इंसान थे और मैं बहुत खुशकिस्मत थी कि उनके साथ रही। मुझे उनकी याद आती है। मुझे नहीं पता कि मैं उनके बिना जिंदगी कैसे जीऊंगी, लेकिन वह दूसरी बात है।श् धर्मेंद्र का निधन पिछले साल हुआ था धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। धर्मेंद्र के निधन के 3 दिन बाद हेमा मालिनी ने उनके लिए भावुक पोस्ट शेयर की थीं। उन्होंने कहा था कि धर्मेंद्र उनके लिए सब कुछ थे और उनके जाने से जो खालीपन पैदा हुआ, वो जिंदगीभर रहेगा। हेमा ने धर्मेंद्र के साथ तस्वीर शेयर कर भावुक होकर लिखा था- धर्म जी। वो मेरे लिए बहुत कुछ थे, एक प्यार करने वाले पति, हमारी दो बेटियों ईशा और अहाना के स्नेही पिता, एक मित्र, दार्शनिक, मार्गदर्शक, कवि, जरूरत के हर समय मेरे 'गो-टू' इंसान। सच कहूं तो, वे मेरे लिए सब कुछ थे। अच्छे और बुरे हर दौर में वे हमेशा मेरे साथ रहे। उन्होंने अपने सहज, दोस्ताना स्वभाव से मेरे परिवार के हर सदस्य का दिल जीत लिया था, हमेशा सभी को स्नेह और अपनापन देते हुए। एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में, उनकी प्रतिभा, उनकी लोकप्रियता के बावजूद उनका विनम्र स्वभाव, और उनका सार्वभौमिक आकर्षण, इन सब ने उन्हें एक ऐसा अनोखा और अतुलनीय आइकन बना दिया, जिसकी मिसाल शायद ही किसी दिग्गज में मिलती है। फिल्म इंडस्ट्री में उनकी कीर्ति और उपलब्धियां हमेशा याद रखी जाएंगी। मेरी निजी हानि शब्दों से परे है, और जो खालीपन पैदा हुआ है, वह मेरी पूरी जिंदगी के साथ रहेगा। सालों के साथ-सफर के बाद अब मैं सिर्फ अनगिनत यादों के सहारे उन खास पलों को फिर-फिर जिऊंगी। इसके अलावा हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के साथ बिताए कुछ यादगार पलों की तस्वीरें शेयर कर लिखा था,

राधिका मदान का बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट कार्ड

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक का सफर पूरा करने वाले कलाकारों का जिक्र किया जाए तो उसमें राधिका मदान का नाम जरूर शामिल होगा. एक्ट्रेस ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग के दम पर इंडस्ट्री में अलग जगह बनाई है. वो आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. उनका नाम बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार है. राधिका मदान 1 मई, 2026 को अपना 31वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. आइए इस मौके पर उनके फिल्मी सफर पर एक नजर डालते हैं. छोटे पर्दे से की करियर की शुरुआत राधिका मदान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत छोटे पर्दे के पॉपुलर शो श्मेरी आशिकी तुम से हीश् से की थी. इस शो ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग को लोगों ने खूब पसंद किया. टीवी में सफलता मिलने के बाद राधिका ने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया. साल 2018 में उन्होंने विशाल भारद्वाज की फिल्म श्पटाखाश् से बॉलीवुड में एंट्री की. इसके बाद राधिका ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपने एक्टिंग करियर को नई ऊचांइयों तक पहुंचा दिया. राधिका मदान की पहली फिल्म ही हुई फ्लॉप राधिका ने साल 2018 में आई फिल्म श्पटाखाश् से बॉलीवुड डेब्यू किया था, लेकिन उनकी पहली ही फिल्म बुरी तरह से फ्लॉप हो गई. बॉलीवुड हंगामा रिपोर्ट के मुताबिक, श्पटाखाश् ने बॉक्स ऑफिस पर केवल 6.95 करोड़ रुपये कमाए थे और इसे फ्लॉप करार दिया गया. फिल्म में राधिका के साथ सान्या मल्होत्रा नजर आई थीं. यहां देखिए राधिका मदान का बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट कार्ड इसके बाद राधिका फिल्म श्मर्द को दर्द नहीं होताश् में नजर आईं. जो साल 2019 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में अभिमन्यु दासानी, गुलशन देवैया और महेश मांजरेकर जैसे एक्टर्स नजर आए थे. फिल्म के टीजर और ट्रेलर को तो ऑडियंस का अच्छा रिस्पॉन्स मिला, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म औंधे मुंह गिरी. बॉलीवुड हंगामा रिपोर्ट के मुताबिक, श्मर्द को दर्द नहीं होताश् बॉक्स ऑफिस पर केवल 2.03 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर पाई थी. 8 साल में दीं 6 मूवीज, यहां देखें टीवी से बॉलीवुड में आईं राधिका मदान का बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट कार्ड श्अंग्रेजी मीडियमश् ने कमाए इतने करोड़ रुपये राधिका मदान साल 2020 में फिल्म श्अंग्रेजी मीडियमश् लेकर आईं और उनकी ये फिल्म भी फ्लॉप हो गई. बॉलीवुड हंगामा रिपोर्ट के मुताबिक, श्अंग्रेजी मीडियनश् ने टिकट खिड़की पर केवल 9.36 करोड़ रुपये जुटाए थे. इस फिल्म में इरफान खान, दीपक डोबरियाल और करीना कपूर खान जैसे एक्टर्स ने भी अभिनय किया था. श्कुत्तेश् का भी बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल राधिका मदान की फ्लॉप मूवीज में फिल्म श्कुत्तेश् का नाम भी शामिल है. इस फिल्म में तब्बू, अर्जुन कपूर, नसीरुद्दीन शाह, कोंकणा सेन शर्मा और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार नजर आए थे, लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी. बॉलीवुड हंगामा रिपोर्ट के मुताबिक, श्कुत्तेश् ने बॉक्स ऑफिस पर केवल 4.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर पाई. मुंह के बल गिरी श्सजिनी शिंदे का वायरल वीडियोश् इसके बाद राधिका फिल्म श्सजिनी शिंदे का वायरल वीडियोश् में नजर आईं, निम्रत कौर, भाग्यश्री, सुबोध भावे और चिन्मय मंडलेकर भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. इस फिल्म को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त उत्साह था, लेकिन पर्दे पर आते ही पूरा माहौल ठंडा हो गया. बॉलीवुड हंगामा रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में आई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर केवल 40 लाख रुपये कमाए थे. अक्षय कुमार के साथ कर चुकी हैं काम राधिका मदान की फिल्म श्सरफिराश् 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म के होरी अक्षय कुमार हैं. परेश रावल भी इसका हिस्सा हैं. राधिका की ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म नहीं कर पाई. बॉलीवुड हंगामा रिपोर्ट के मुताबिक, श्सरफिराश् ने बॉक्स ऑफिस पर 22.13 करोड़ रुपये का कारोबार किया था.

160 रन बनाकर कैसे जीतते हैं मैच

सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हराकर लगातार पांचवीं जीत के साथ आईपीएल अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंची गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि पहले बल्लेबाजी करना उनकी टीम के लिये फायदेमंद रहा। सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर गुजरात को पहले बल्लेबाजी के लिये भेजा था। गुजरात के पांच विकेट पर 168 रन के जवाब में सनराइजर्स 14 . 5 ओवर में 86 रन पर आउट हो गए। गिल ने मैच के बाद कहा ,'' पहले बल्लेबाजी करना हमें रास आया। हमने अच्छी गेंदबाजी भी की जो जरूरी था।'' उन्होंने कहा ,'' हमने इस पर बात की थी कि अगर 160 . 170 रन बना लिये तो हमारे गेंदबाजी आक्रमण के सामने उनके लिये आसान नहीं होगा। हमने पावरप्ले में बेहतरीन गेंदबाजी की। हमारे दोनों गेंदबाजों को शाबासी।'' उन्होंने कहा ,'' हम किसी खास शैली या ब्रांड का क्रिकेट नहीं खेलते हैं। हम हालात का आकलन करके उसके मुताबिक खेलते हैं।

जब वो कवर पर मारे तो गेंदबाज खतरे में

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बल्लेबाज डेविड मिलर के शानदार प्रदर्शन की सराहना की, खासकर इसलिए क्योंकि उन्होंने न सिर्फ लेग साइड पर दबदबा बनाए रखा बल्कि ऑफसाइड और कवर के ऊपर से आक्रामक शॉट भी खेले, जो उनके पूर्ण नियंत्रण का संकेत था। बांगर ने पंजाब की गेंदबाजी में विविधता की कमी की आलोचना की, क्योंकि वे ज्यादातर अनुमानित लेंथ और वाइड यॉर्कर पर निर्भर थे, धीमी गेंदों या कटर के बजाय। दिल्ली कैपिटल्स ने धर्मशाला में पंजाब किंग्स पर रोमांचक तीन विकेट की जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग 2026 प्लेऑफ की अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। डेविड मिलर की 28 गेंदों पर खेली गई सनसनीखेज 51 रनों की पारी ने उनकी टीम को शानदार जीत दिलाई। बंगर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि जब डेविड मिलर पूरी लय में होते हैं, तो वो सिर्फ लेग साइड पर ही दबदबा नहीं कायम रखते। हम सब जानते हैं कि वो डीप मिड-विकेट और लॉन्ग ऑन के पार आसानी से छक्का मार सकते हैं। लेकिन जब वो ऑफसाइड और कवर्स के ऊपर से जोरदार शॉट लगाने लगते हैं, तो समझ जाइए कि वो एक अलग ही स्तर पर हैं। तब गेंदबाजों को समझ आ जाता है कि वे मुश्किल में हैं। गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आ रही थी और आउटफील्ड पर थोड़ी ओस भी थी। उन्होंने कहा कि इस संयोजन ने पिच को बल्लेबाजी के लिए और भी अनुकूल बना दिया। गेंद फिसलती हुई आगे बढ़ी और मिलर को अपने शॉट्स पर ज्यादा जोर नहीं लगाना पड़ा। उन्होंने बस सही समय पर शॉट लगाए और गेंद तेजी से निकल गई। पंजाब के गेंदबाजों ने धीमी गति की गेंदों का इस्तेमाल न के बराबर किया। उन्होंने न तो गति बदलने की कोशिश की और न ही कटर गेंदों का प्रयोग किया। उन्होंने या तो वाइड यॉर्कर फेंकी या फिर अनुमान के मुताबिक लेंथ की गेंदें। मिलर को चकमा खाने की चिंता नहीं थी। उन्होंने शुरुआत में ही लेंथ को भांप लिया, सही पोजीशन ली और जमकर बल्लेबाजी की। यह एक साफ-सुथरी और आक्रामक पारी थी। उन्होंने सिर्फ रन ही नहीं बनाए, बल्कि एक मिसाल कायम की। जब मिलर इस तरह बल्लेबाजी करते हैं, तो वे अकेले दम पर मैच का रुख बदल सकते हैं। मिलर ने तीन चैकों और चार छक्कों की मदद से अपने किलर मिलर वाले नाम को सही साबित करते हुए 28 गेंदों में 51 रन बनाए, जिससे उन्होंने पीबीकेएस के स्पिन आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और आवश्यक रन रेट को नियंत्रण में बनाए रखा। अक्षर और मिलर के बीच 34 गेंदों में 64 रनों की साझेदारी ने दूसरी पारी की रीढ़ की हड्डी बनकर संभावित हार को एक शानदार लक्ष्य की ओर मोड़ दिया।

रेस में पंजाब का अहम मुकाबला

पिछले चार मैच में हार से आहत पंजाब किंग्स को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना अभियान वापस पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली पंजाब किंग्स की टीम लगातार चार मैच हार चुकी है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। उसकी टीम को अगर शीर्ष चार में जगह पक्की करनी है तो उसे अपने शेष बचे मैचों में से कम से कम दो मैच जीतने होंगे। पंजाब कुछ समय पहले तक टूर्नामेंट में एकमात्र अजेय टीम थी

267 करोड़ से ज्यादा कमाएंगे मेसी!

मेजर लीग सॉकर के सबसे महंगे खिलाड़ी बने, सब पीछे छूटे

मुंबई। फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी ने मेजर लीग सॉकर में नया रिकॉर्ड बना दिया है। इंटर मियामी के साथ उनके नए कॉन्ट्रैक्ट के तहत उन्हें 28.33 मिलियन डॉलर (करीब 267 करोड़ रुपये) की गारंटीड कमाई मिलेगी। यह लीग के किसी भी दूसरे खिलाड़ी से दोगुने से ज्यादा है। मेसी की मौजूदगी से इंटर मियामी का कुल पेरोल भी सबसे ऊपर पहुंच गया है। लियोनल मेसी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनकी लोकप्रियता और बाजार कीमत आज भी सबसे अलग है। इंटर मियामी के साथ नए कॉन्ट्रैक्ट के बाद मेसी की सैलरी में बड़ा इजाफा हुआ है। मेजर लीग सॉकर प्लेयर्स एसोसिएशन के मुताबिक, मेसी को 25 मिलियन डॉलर बेस सैलरी और कुल 28.33 मिलियन डॉलर (करीब 267 करोड़ रुपये) गारंटीड कॉम्पनसेशन मिलेगा। यह रकम लीग के किसी भी अन्य खिलाड़ी से दोगुने से ज्यादा है। इंटर मियामी का खर्च सबसे ज्यादा मेसी के आने के बाद इंटर मियामी का कुल पेरोल 54.6 मिलियन डॉलर पहुंच गया है। यह दूसरे नंबर की टीम एलएएफसी से 20 मिलियन डॉलर ज्यादा है। वहीं लीग की सबसे कम खर्च करने वाली टीम फिलेडेलफिया यूनियन है, जिसका पेरोल 11.7 मिलियन डॉलर है। यह आंकड़ा दिखाता है कि इंटर मियामी ने मेसी के ईर्द-गिर्द मजबूत टीम बनाने में भारी निवेश किया है। मेसी का प्रदर्शन भी शानदार मेसी सिर्फ कमाई में ही नहीं, मैदान पर भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इंटर मियामी के लिए उन्होंने 64 नियमित सीजन मैचों में 59 गोल किए हैं। इस सीजन में अब तक 11 मैचों में नौ गोल कर चुके हैं। पिछले सीजन उन्होंने 29 गोल किए थे और लगातार दूसरी बार मोस्ट वैलुएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीता था। मेसी ने पिछले साल टीम को पहला मेजर लीग सॉकर का खिताब भी दिलाया। 39 की उम्र में भी वर्ल्ड कप की तैयारी अगले महीने 39 साल के होने जा रहे मेसी अभी भी अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कप्तान हैं। वह अपने छठे वर्ल्ड कप में खेलने की तैयारी कर रहे हैं। 2022 विश्व कप जीतने के बाद भी उनकी फिटनेस और प्रदर्शन लगातार शानदार बना हुआ है। मेजर लीग सॉकर में बाकी बड़े नाम मेसी और सोन के बाद सबसे ज्यादा कमाई करने वालों में रोड्रिगो डी पॉल, मिगुएल अलमीरोन, हिरविंग लोजानो और थॉमस मूलर जैसे नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों की कमाई भी करोड़ों डॉलर में है, लेकिन मेसी अब भी सबसे ऊपर हैं।

क्या पंजाब के खिलाड़ियों को बदनाम करने की साजिश हो रही है? प्रीति जिंटा हुई नाराज, दिया बड़ा बयान

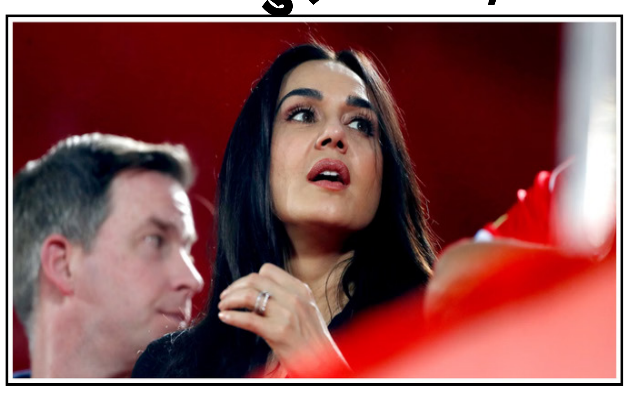

नई दिल्ली। लगातार हार और सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों के बीच पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा और फ्रेंचाइजी ने कड़ा रुख अपनाया है। दोनों ने फर्जी खबरें फैलाने वालों को चेतावनी देते हुए जिम्मेदारी से व्यवहार करने की अपील की है। टीम अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है और अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। आईपीएल 2026 में शानदार शुरुआत करने वाली पंजाब किंग्स इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रही है। लगातार हार, खिलाड़ियों के प्रदर्शन में गिरावट और सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों ने टीम को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। इसी बीच टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा और फ्रेंचाइजी ने फर्जी खबरों के खिलाफ खुलकर बयान जारी किया है। मंगलवार, 12 मई को प्रीति जिंटा और पंजाब किंग्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लोगों से अपील की कि बिना तथ्यों की पुष्टि किए कोई भी जानकारी साझा न करें। शानदार शुरुआत के बाद लड़खड़ाई पंजाब किंग्स पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत बेहद दमदार अंदाज में की थी। टीम ने शुरुआती सात मुकाबलों में से छह जीते और लगातार अपराजित रही। इसी दौरान टीम ने आईपीएल इतिहास में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज भी दर्ज किया। लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में टीम की लय बिगड़ गई। पंजाब लगातार चार मुकाबले हार चुकी है और टॉप-2 से नीचे खिसक गई है। इससे टीम पर दबाव बढ़ गया है। खिलाड़ियों को लेकर फैल रही थीं अफवाहें टीम के खराब प्रदर्शन के साथ-साथ कई तरह की चर्चाएं सोशल मीडिया पर तेज हो गईं। युजवेंद्र चहल को लेकर कथित वेपिंग विवाद की बातें सामने आईं। वहीं प्रभसिमरन सिंह की फिटनेस, वजन और खिलाड़ियों के रवैये को लेकर भी तरह-तरह की बातें की जाने लगीं। इन खबरों पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया था, लेकिन लगातार बढ़ती अफवाहों के बाद टीम प्रबंधन सामने आया। प्रीति जिंटा ने दी सख्त चेतावनी प्रीति जिंटा ने अपने बयान में साफ कहा कि आलोचना और गलत सूचना फैलाने में बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा, श्आलोचना और सोची-समझी गलत जानकारी फैलाने में फर्क होता है। खेल को लेकर स्वस्थ बहस का स्वागत है, लेकिन खिलाड़ियों, टीम या ब्रांड की छवि खराब करने के लिए झूठी कहानियां फैलाना बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जाएगा। मैं सभी लोगों, सत्यापित अकाउंट्स और मीडिया से अपील करती हूं कि बिना पुष्टि के किसी जानकारी को आगे न बढ़ाएं। धन्यवाद।श् पंजाब किंग्स ने भी दिया जवाब फ्रेंचाइजी ने भी अपने बयान में कहा कि खेल में आलोचना, मजाक और राय देना सामान्य बात है, लेकिन सस्ती लोकप्रियता के लिए फर्जी कहानियां बनाना गलत है।

महिला टी20 विश्व कप 2026: ऑस्ट्रेलिया की टीम का एलान, सोफी मोलिनक्स होंगी 15 सदस्यी, टीम की कप्तान

सिडनी। मार्च में हुए कैरेबियन दौरे से बाहर रहने वाली ग्रेस हैरिस को टीम में जगह दी गई है, तो सदरलैंड भी टीम में वापस आ गई हैं। महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम का एलान कर दिया गया है। स्कॉड में 15 खिलाड़ियों को जगह दी गई है। कप्तानी सोफी मोलिनक्स करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम में बाएं हाथ की अनुभवी तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को जगह दी गई है, जबकि डार्सी ब्राउन को बाहर कर दिया गया है। टीम में एश्ले गार्डनर, ताहलिया मैकग्राथ, एलिस पेरी, और बेथ मूनी जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हैमिल्टन ने पिछले साल आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की थी। वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के सात गेंदबाजी विकल्पों में से एक हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम में गेंदबाजी के विकल्पों में मेगन शुट्ट, किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड, मैकग्राथ, पेरी और निकोला कैरी शामिल हैं। मार्च में हुए कैरेबियन दौरे से बाहर रहने वाली ग्रेस हैरिस को टीम में जगह दी गई है, तो सदरलैंड भी टीम में वापस आ गई हैं। 2009 से लगातार टी20 विश्व कप खेल रहीं एलिस पेरी विश्व कप में इस बार अपने 50 मैच पूरे करेंगी। निकोला कैरी 2020 के बाद अपना पहला टी20 विश्व कप खेलेंगी, तीन साल नेशनल टीम से बाहर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में नेशनल टीम में लौटी हैं। अलाना किंग भी टीम में शामिल हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ताहलिया विल्सन को ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर शामिल किया गया है। उन्होंने मार्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के ग्रुप 1 में दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड के साथ रखा गया है। अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया 13 जून को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमरू सोफी मोलिनक्स (कप्तान), निकोला कैरी, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम।

अर्थ जगत

सरकार ने सोना-चांदी के गैरजरूरी आयात पर कसी नकेल, विदेशी मुद्रा बचाने के लिए उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली। सरकार ने सोना और चांदी पर आयात शुल्क 6 फीसदी से बढ़ाकर सीधे 15 फीसदी कर दिया है, ताकि बढ़ते आयात बिल और विदेशी मुद्रा दबाव को कम किया जा सके। यह कदम पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच लिया गया है। हाल ही में प्रधानमंत्री ने भी लोगों से सोने की खरीद कम करने और खर्च में संयम बरतने की अपील की है। पढ़िए रिपोर्ट- सरकार ने बुधवार को सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है। यह कदम पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ते आयात बिल को नियंत्रित करने और कीमती धातुओं के गैर-जरूरी आयात को रोकने के लिए उठाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में सोने की खरीद पर संयम बरतने और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए अन्य किफायती उपायों की अपील की। इसके बाद वित्त मंत्रालय ने यह अधिसूचना जारी की। इसमें सामाजिक कल्याण अधिभार और कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर में बदलाव किया गया है, जो 13 मई से लागू हो गया। इस फैसले के बाद सोने पर कुल आयात शुल्क बढ़कर 15 फीसदी हो गया है। भारत का सोने का आयात 2025-26 में 24 फीसदी से अधिक बढ़कर 71.98 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि, मात्रा के हिसाब से इसमें 4.76 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह 721.03 टन रहा। सोने की कीमतें भी बढ़ी हैं और वित्त वर्ष 2025 में 76,617 डॉलर प्रति किलो से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 99,825 डॉलर प्रति किलो हो गई हैं। दिल्ली में कल सोने की कीमत क्या रही? राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,56,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। जबकि चांदी 12,000 रुपये बढ़कर 2,77,000 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत एक फीसदी गिरकर 4,692.64 डॉलर प्रति औंस हो गई और चांदी भी 3.04 फीसदी गिरकर 83.49 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। सरकार ने 2024-25 के बजट में घटाया था सोने पर आयात शुल्क सरकार ने 2024-25 के बजट में सोने पर आयात शुल्क घटाकर छह प्रतिशत किया था, ताकि ज्वेलरी उद्योग को बढ़ावा मिले, तस्करी कम हो और घरेलू कीमतें नियंत्रित रहें। इससे पहले 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भी सोने पर शुल्क बढ़ाकर 15 फीसदी किया गया था

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, सेंसेक्स 200 अंक उछलकर नरम पड़ा, निफ्टी 23400 के पार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भारतीय शेयर बाजार पर लगातार दिख रहा है। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी सुस्त, जबकि कस्टम ड्यूटी बढ़ने से सोना-चांदी में 6: का भारी उछाल दिखा।

बाजार का पूरा हाल जानने के लिए यह रिपोर्ट पढ़ें। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को लेकर छाई अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। विदेशी निवेशकों की ओर से बिकवाली के दबाव के कारण इक्विटी बाजारों में लगातार चैथे कारोबारी सत्र में भारी दबाव दिखा। वहीं दूसरी ओर, कमोडिटी बाजार में सरकार के एक बड़े फैसले के बाद सोने और चांदी की कीमतें नए स्तर पर पहुंच गईं हैं। बुधवार को शुरुआती कारोबार में मामूली बढ़त के बाद बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक नकारात्मक दायरे में फिसल गए। शेयर बाजार में गिरावट सेंसेक्स और निफ्टी में सुस्ती और बिकवाली का दौर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने एक लंबे भू-राजनीतिक संकट की आशंकाओं को जन्म दे दिया है। इस तनाव के कारण निवेशकों का जोखिम लेने का उत्साह (रिस्क एपेटाइट) काफी कमजोर हो गया है। यही वजह है कि 13 मई 2026 के शुरुआती कारोबार में भी बाजारों में लगातार बिकवाली का दौर जारी रहा। सेंसेक्सरू तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 75.64 अंक चढ़कर 74,614.51 पर पहुंच गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 17.10 अंक बढ़कर 23,391.10 पर पहुंच गया था। निफ्टीरू दूसरी ओर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी 50 में 18.11 अंक (0.08 प्रतिशत) की बेहद मामूली बढ़त दर्ज की गई और यह 23,397.65 के स्तर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितता इसका मुख्य कारण रही। विदेशी फंडों की निकासी ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। हालांकि, दोनों बेंचमार्क सूचकांक इस गति को बनाए रखने में विफल रहे। बीएसई सेंसेक्स 182.60 अंक गिरकर 74,362.19 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी 41.05 अंक गिरकर 23,352.25 पर आ गया। सेंसेक्स की तीस कंपनियों में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन और एक्सिस बैंक सबसे बड़े नुकसान में रहे।

एशियन पेंट्स, अडानी पोर्ट्स, टाटा स्टील और कोटक महिंद्रा बैंक लाभ में रहे। वैश्विक कारक और मुद्रास्फीति वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब 106.6 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार, 12 मई को 1,959.39 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में मामूली बढ़कर 3.48 फीसदी हो गई। यह मुख्य रूप से सोने और चांदी के आभूषणों तथा कुछ रसोई वस्तुओं की ऊंची कीमतों के कारण हुआ। लिवेलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रासद के ने कहा कि अमेरिकी मुद्रास्फीति के अनुमान से अधिक आने के बाद एसएंडपी 500 में गिरावट आई। भू-राजनीतिक तनाव और बाजार पर असर बाजारों को चिंता है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितता वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ा सकती है। एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर ने बताया कि ईरान की नवीनतम टिप्पणियों ने तत्काल राजनयिक समाधान की उम्मीदें कम कर दी हैं। अमेरिका-ईरान गतिरोध वैश्विक वित्तीय बाजारों के लिए एक बड़ा खतरा बना हुआ है।

सोने-चांदी पर आयात शुल्क में भारी इजाफा, दुबई के रास्ते बढ़ेगा आयात, समझें मुनाफे का पूरा गणित

नई दिल्ली। जानें कैसे सोने और चांदी पर आयात शुल्क बढ़कर 15 प्रतिशत होने से दुबई के रास्ते भारी आयात की संभावना बन रही है। इस आर्थिक बदलाव और मुनाफे के अवसरों के बारे में जीटीआरआई की रिपोर्ट के हवाले से पढ़ें यह खबर। भारत सरकार की ओर से सोने और चांदी पर आयात शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने के बाद सर्राफा बाजार का समीकरण पूरी तरह से बदल गया है। इस भारी बढ़ोतरी के बाद मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत दुबई से होने वाले आयात में बड़ी वृद्धि देखने को मिल सकती है। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, इस नए टैरिफ ढांचे ने भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के रास्ते होने वाले आयात को गहराई से प्रभावित किया है। आयात शुल्क में बदलाव का क्या होगा असर? पुरानी व्यवस्था के तहत सोने और चांदी पर 5 प्रतिशत बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) और 1 प्रतिशत एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस (एआईडीसी) लगता था, जिससे कुल लेवी 6 प्रतिशत थी। इसमें 3 प्रतिशत इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी) जोड़ने के बाद प्रभावी शुल्क 9.18 प्रतिशत बैठता था। लेकिन नए संशोधित ढांचे में सरकार ने बीसीडी को दोगुना कर 10 प्रतिशत और एआईडीसी को पांच गुना बढ़ाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप कुल सीमा शुल्क 6 प्रतिशत से सीधे 15 प्रतिशत हो गया है, और आईजीएसटी सहित प्रभावी आयात शुल्क 9.18 प्रतिशत से उछलकर 18.45 प्रतिशत पर पहुंच गया है। दुबई के रास्ते आयात में क्यों आएगी तेजी? भारत ने एक टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्यू) प्रणाली के तहत दुबई से सामान्य मोस्ट-फेवर्ड-नेशन (एमएफएन) दर से एक प्रतिशत कम टैरिफ पर सोने के आयात की अनुमति दी थी। यह कोटा 2022 में सालाना 120 टन से शुरू हुआ था और 2027 तक इसे 200 टन तक बढ़ाया जाना है, जो भारत के सालाना स्वर्ण आयात का लगभग एक-चैथाई हिस्सा है। जीटीआरआई के अनुसार, नई व्यवस्था में प्रभावी शुल्क 15 प्रतिशत होने से यूएई कोटे के तहत आने वाला सोना 14 प्रतिशत शुल्क पर भारत में प्रवेश करेगा। टैरिफ का यह अंतर वैश्विक बुलियन को दुबई के रास्ते भारत लाने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, भले ही यूएई खुद सोने या चांदी का खनन नहीं करता है। चांदी के आयात में बड़े मुनाफे की संभावना कैसे? सीईपीए के तहत, भारत मई 2022 से शुरू होने वाली दस साल की अवधि में चांदी पर आयात शुल्क को 10 प्रतिशत से घटाकर शून्य करने पर भी सहमत हुआ था। वर्तमान में यूएई से चांदी के आयात पर रियायती शुल्क 7 प्रतिशत है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का कहना है कि भारत द्वारा सामान्य टैरिफ को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने से अब यह ड्यूटी अंतर 8 प्रतिशत अंकों का हो गया है। यह अंतर दुबई के रास्ते होने वाले आयात के लिए एक बड़ा आर्बिट्रेज (मुनाफा कमाने का) अवसर पैदा कर रहा है और यह मार्जिन 2031 तक हर साल तब तक और चैड़ा होगा जब तक सीईपीए टैरिफ शून्य नहीं हो जाता। बढ़ते आयात के आंकड़ों के बीच किस बात की चिंता? यह नीतिगत कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब कीमती धातुओं के आयात में भारी उछाल दर्ज किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में, भारत ने लगभग 72 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न0 UPHIN/2023/87118 मोबाइल न. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।